हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, रविवार, 24 दिसंबर 2023

11 सांस्कृतिक संध्या के साथ गीता महोत्सव संपन्न

12 पीपीपी के साथ अटैच हो रहा मेरी फसल, मेरा ब्यौरा का पंजीकरण

खबर संक्षेप

यादव धर्मशाला में वीर बाल दिवस आज

नारनौल। प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट की गुरु तेग बहादुर के शहीदी दिवस एवं गुरु गोबिंद सिंह के चारों पुत्रों की शहादत पर वीर बाल दिवस कार्यक्रम करेगा। प्रधान संजय शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम 24 दिसम्बर को यादव धर्मशाला में होगा। जिसमें नगर की सम्पूर्ण सिख संगत के साथ साथ अन्य समाज के लोग शामिल रहेंगे।

शमशान घाट से पानी मोटर व लाइट चोरी

महेंद्रगढ़। धोलपोश गोशाला के पास शमशान घाट से चोर से पानी की मोटर व फ्लड लाइट चोरी कर ले गए। हरिधाम समिति के सदस्यों ने बताया कि गोशाला के पास बनी शमशान घाट में पेड़ पौधों को पानी देने के लिए एक पानी की मोटर लगा रखी थी। 21 दिसंबर की रात को अज्ञात चोर पानी मोटर व लाइट चुरा ले गए।

सैन समाज ने जताया मुख्यमंत्री का आभार

महेंद्रगढ़। संत शिरोमणि सैन महाराज व महान कवि बाजे भगत की जयंती विशेष दिवस के रूप से मनाई जाएगी। हल्का सैन समाज प्रधान सुंदर लाल आसोदिया ने बताया कि 22 दिसंबर को सैन समाज के लिए ऐतिहासिक फैसला सरकार द्वारा लिया गया, जिसमें हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर का सैन समाज हमेशा ऋणी रहेगा।

रात को ट्रैक्टर रोकने का संकेत करने पर दिया वारदात को अंजाम

खनन माफिया ने पुलिस पर बरसाए पत्थर, ट्रैक्टर से कुचलने का प्रयास

घटना में थाना प्रभारी घायल, भागने के प्रयास में एक खनन माफिया को भी आई चोट, चालक समेत दो आरोपी काबू डिवाइडर से टकराकर बंद हुआ ट्रैक्टर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नांगल चौधरी

नांगल चौधरी। थाना इंचार्ज पर पत्थराव के दो आरोपित पुलिस की गिरफ्त में।

बीती रात अवैध खनन माफिया ने ट्रैक्टर रोकने का संकेत देने देखकर पुलिस पर पत्थर बरसाना आरंभ कर दिया। घेराबंदी करने पर आरोपितों ने ट्रैक्टर चढ़ाकर पुलिस कर्मियों को कुचलने की कोशिश की है। वारदात में थाना इंचार्ज को गंभीर चोट लगी है, जिसे नारनौल के नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दूसरी ओर भागते ट्रैक्टर से कूदकर फरार होने की कोशिश में एक माफिया को भी चोट लगी है। पुलिस ने ट्रैक्टर चालक समेत दो आरोपितों को गिरफ्तार करने में सफलता हांसिल की है।

गौरतलब है कि नांगल चौधरी थाना इंचार्ज को जैनपुर के पहाड़ में अवैध खनन की सूचना मिली थी। जिसके मुताबिक उन्होंने जैनपुर-निजामपुर टी-प्वाइंट पर पीसीआर खड़ी करके चेकिंग करना शुरू कर दिया। करीब करीब 11 बजे जैनपुर के पहाड़ से एक पत्थरों से लोड ट्रेक्टर निकला, टी-प्वाइंट पर पुलिस की पीसीआर को देखते ही माफिया ने नांगल दुर्गू की तरफ ट्रेक्टर को भगा लिया।

पुलिस ने तत्परता पूर्वक पीछा करते हुए लूजोता के पास चालक को ट्रेक्टर रोकने का संकेत दिया। इसी दौरान ट्रेक्टर की ट्राली में बैठे दो कारिंदों ने पुलिस टीम पर पत्थराव करना शुरू कर दिया। घेराबंदी को तोड़ने के लिए चालक ने पुलिस जवानों पर ट्रेक्टर चढ़ाना चाहा, किंतु पुलिस जवान डिवाइडर के दूसरी तरफ कूदने से जानलेवा हादसा टल गया। इस अफरा-तफरी में एक खनन माफिया भागते ट्रेक्टर से कूदकर फरार होने की कोशिश की, किंतु वह घायल होने के कारण पुलिस के हत्थे चढ़ गया। दूसरी ओर चालक का संतुलन बिगड़ने से ट्रेक्टर डिवाइडर की रुकावट से बंद हो गया। इस दौरान अलर्ट खड़ी पुलिस ने दोनों खनन माफिया को दबौच लिया। खनन माफिया की पत्थरबाजी में थाना इंचार्ज भूपेंद्र कुमार को कई गंभीर चोटें आई हैं, जिन्हें उपचार के लिए नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

रिकार्ड खंगालने पर खुलेगा अवैध कारोबार का राज

जैनपुर, बिहारीपुर व आंतरी के ग्रामीणों ने बताया कि क्रशर और माईंस जोन में कई मैगजीन संचालित हैं। संचालकों को वैध माईंस के अथोरिटी लैटर पर ही बारूद बेचने की अनुमति है। बिल में होल के बैच नंबर भी अंकित करना जरूरी है, ताकि अवैध बिक्री पर अंकुश लग सके। उन्होंने आशंका जताई की माईंस संचालकों के अथोरिटी लैटर पर ही बारूद का अवैध कारोबार बढ़ रहा है, जिसका इस्तेमाल अवैध खनन में संभव है। जिला प्रशासन को गहनता पूर्वक छानबीन करने की जरूरत है।

पुलिस व माईनिंग टीम पर पहले भी हो चुका हमला

ग्रामीणों ने बताया कि कुछ साल पहले माईनिंग विभाग की टीम ने जैनपुर के पहाड़ पर दाबिश देकर अवैध खनन में संलिप्त ट्रेक्टर व जेसीबी को पकड़ा था। उस दौरान माफिया ने टीम पर हमला करके वाहनों को छुड़वा लिया था। इसके अलावा नांगल कालिया की नदी में तत्कालीन थाना इंचार्ज सुबेसिंह पर माफिया ने फायरिंग की थी। हमले के अन्य भी कई वारदात हो चुकी, बावजूद जिला प्रशासन ने कोई सख्त कदम नहीं उठाया है।

रिमांड पर दोनों आरोपित लूजोता के पास घटना

थाना इंचार्ज भूपेंद्र कुमार ने बताया कि अवैध खनन के पत्थरों से लोड ट्रेक्टर को लूजोता के पास रोकने का संकेत पुलिस ने दिया था। किंतु चालक ने पुलिस कर्मियों पर ट्रेक्टर चढ़ाने तथा दो अन्य कारिंदों ने पत्थराव शुरू कर दिया। वारदात में थाना इंचार्ज घायल हुआ है। दो आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया, जिन्हें कोर्ट में पेश करके एक दिन के रिमांड पर लिया है। आरोपितों से पूछताछ करके पुलिस अवैध खनन के सुत्रधारों तक पहुंचने का प्रयास है, ताकि आरोपियों की गिरफ्तारी व अवैध खनने पर रोक लग सके।

नारनौल। गलत लेन में चलने पर ट्रक का चालान काटती पुलिस। फोटो : हरिभूमि

पुलिस ने लेन चेंज करने पर 258 वाहन चालकों के काटे चालान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

- यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर 171 वाहनों के काटे चालान

जिला पुलिस द्वारा लेन चेंज ड्राईविंग (बाईं लेन) के नियमों की उल्लघंना करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया गया और इसके चलते करीब 258 वाहन चालकों के चालान काटे।

पुलिस प्रवक्ता सुमित कुमार ने बताया कि पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर के दिशा-निर्देशों के अनुसार सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने व हादसों से बचाने हेतु लेन चेंज ड्राईविंग के नियमों की उल्लघंना करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ पुलिस महानिरीक्षक यातायात एवं हाइवे हरियाणा हरदीप सिंह दून के आदेशानुसार जिला पुलिस द्वारा शनिवार को लेन चेंज ड्राईविंग के नियमों की उल्लघंना करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ स्पेशल अभियान चलाया गया। उन्होंने बताया कि सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने, वाहनों के सुचारू रूप से चलाने के लिए जिला पुलिस द्वारा लेन चेंज ड्राईविंग (बाईं लेन) के नियमों की उल्लघंना करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया गया। एसपी ने अधिकारियों/कर्मचारियों को आदेश देते हुए कहा कि सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यातायात के नियमों की पालना दृढ़ता से करवाई जाए। मोटर वाहन अधिनियम-2017 के तहत बाईं लेन में न चलकर नियमों की उल्लंघना करने पर शनिवार को 258 वाहन चालकों के चालान किए गए और साथ ही अन्य यातायात नियमों की उल्लंघना करने वाले 171 वाहन चालकों के चालान किए गए। वाहन चालकों को यातायात नियमों के बारे में जागरुक भी किया जा रहा है।

आग के कारण कड़बी जलकर हुई राख, गांव के व्यक्ति पर जताया संदेह, केस किया दर्ज

महेंद्रगढ़। जिले के गांव भुरजट में कड़बी में लगी के कारण किसान की दो एकड़ की करीब 80 मण कड़बी जलकर राख हो गई है। पुलिस ने किसान गांव के ही एक युवक पर संदेह जताया हैं। गांव भुरजट निवासी विक्रम ने बताया कि उसने पंचायती जमीन पर गांव की जमीन में लगा रखी थी। 21 दिसंबर की रात को किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसकी कड़बी में आग लगा दी। जिससे उसकी दो एकड़ की 80 मण कड़बी जल गई। उन्होंने इस बारे में पुलिस को सूचना दी। पुलिस व ग्रामीणों ने आग पर काबू पाया। पीड़ित किसान ने गांव के ही एक युवक पर संदेह जताया है। किसान का कहना है कि उक्त व्यक्ति द्वारा चार नवंबर 2022 को गांव के राजबीर सिंह, संजय सिंह, यशपाल सिंह, नवल, बिरेंद्र सिंह व प्रविंद्र सिंह की कड़बी में भी आग लगाई थी। इसी व्यक्ति ने उसकी कड़बी में भी आग लगाई है।

- कुएं से पाइप लगाकर आग पर पाया काबू

कुएं के पानी से आग पर पाया काबू: ग्रामीणों की ओर से आग लगने की सूचना फायर ब्रिगेड और डायल 112 पर पुलिस को दी। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस और गांव वालों के सहयोग से नजदीक पंचायती कुएं से पाइप लगाकर जल रही कड़बी पर काबू पाया। एक जगह की 80 मण कड़बी बचा पाए व दूसरे सवा की 80 मण कड़बी जल कर राख हो गई। जिससे उसकी काफी नुकसान हुआ। फायर ब्रिगेड को किसी ने फोन कर दिया की आग पर काबू पाया गया तो फायर ब्रिगेड की गाड़ी रास्ते से ही वापस चली गई।

हाइवे पर दो वाहन भिड़े ट्राला चालक की मौत

कनीना। नेशनल हाईवे-152डी पर घटित सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस को दी शिकायत में राजस्थान के गांव सगरामपुरा वासी राजाराम ने बताया है कि विकास वासी टोंक के साथ ट्राले में सवार होकर 152डी से दादरी की ओर आ रहे थे। वे भालखी टोल बूथ के समीप पंहुचे तो आगे चल रहे वाहन चालक ने अचानक रोक दिया, जिससे उनका ट्राला वाहन से टकरा गया। इस हादसे में ट्राला चालक विकास कुमार की मौके पर मौत हो गई। पुलिस ने आरोपित वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज कर शव का पंचनामा करवा परिजनों को सौंप दिया।

शादी की अगली ही रात नवविवाहिता ने दरवाजे पर लगाया फांसी का फंदा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

- 22 दिसंबर को हुई थी शादी, 23 की रात फांसी पर झूलती मिली

गांव देवास में शादी की अगली रात को विवाहिता ने गेट के रैलिंग पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। नवविवाहिता को मानसिक रूप से परेशान बताया जा रहा है। पुलिस ने सामान्य कार्रवाई कर शव परिजनों को सौंप दिया। गांव देवास निवासी बीएससी बीएड राकेश की शादी 22 दिसंबर को उत्तर प्रदेश के अमरोहा के गांव कनडौवा निवासी सुंदरा के साथ हुई थी। 23 दिसंबर की रात को उसकी पत्नी सुंदरा कमरे में नहीं थी। इसके बाद राकेश ने अपनी पत्नी को घर में तलाश किया, लेकिन नहीं मिली। जब राकेश के घर के मैन गेट पर देखा तो उसकी पत्नी सुंदरा घर के मैन गेट पर फांसी पर लटकी हुई मिली। सुबह करीब 5 बजे राकेश ने घटना की जानकारी अपने ससुराल वालों को दी। सूचना के बाद शनिवार को परिजन मौके पर पहुंचे। मृतक महिला की मां रूकमण ने बताया कि उसकी बेटी सुंदरा शादी से पहले ही मानसिक रूप से परेशान रहती थी। मृतक के परिजनों के आधार पर सामान्य कार्रवाई करते हुए शव परिजनों को सौंप दिया।

कुलसचिव ने किया परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण

- अधिकारियों व परीक्षा ड्यूटी स्टाफ को दिए आवश्यक निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय रेवाड़ी के कुलसचिव प्रो. प्रमोद कुमार ने आईजीयू से जुड़े कॉलेज कनीना एवं अटेली में चल रही प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर दिसंबर 2023 की परीक्षाओं के परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। अभी पहले व तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं सुबह व शाम के सत्र में आयोजित की जा रही है। कुलसचिव प्रो. प्रमोद कुमार ने महाविद्यालयों के प्राचार्य व परीक्षा से संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए कि विद्यार्थियों को परीक्षा से संबंधित किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। विद्यार्थियों के हित के लिए विश्वविद्यालय हमेशा तत्पर रहेगा। सभी परीक्षाएं शांतिपूर्वक चल रही है। आईजीयू में भी राव तुलाराम भवन, यूआईईटी भवन, स्वामी विवेकानंद भवन एवं सरदार पटेल भवन में भी प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर की परीक्षाएं शांतिपूर्वक आयोजित की जा रही है।

नारनौल। परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण करते हुए कुलसचिव प्रमोद कुमार।

आपसी मतभेद भुला विकास पर फोकस करें बीडीसी सदस्य

- अपने-अपने क्षेत्र में विकास को सजग रहे ब्लॉक समिति सदस्य : राज्यमंत्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। बीडीसी की बैठक लेते राज्यमंत्री ओम प्रकाश यादव

सिंचाई विश्राम गृह में राज्य मंत्री ओम प्रकाश यादव ने ब्लॉक समिति उप प्रधान प्रवीण यादव के नेतृत्व में ब्लॉक समिति सदस्यों की एक आवश्यक बैठक ली। इस बैठक में राज्यमंत्री ने ब्लॉक समिति सदस्यों से आह्वान किया कि वह अपने-अपने क्षेत्र में विकास कार्यों के लिए जगह चिन्हित करके एस्टीमेट भेजे ताकि विकास कार्यों में तेजी लाई जा सके। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार पूरे हरियाणा में चौमुखी विकास करवा रही है।

राज्यमंत्री ने कहा कि क्षेत्र के विकास पर सरकार पूरी तरह ध्यान दे रही है। उन्होंने कहा कि विकास के लिए धन की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि अपने-अपने क्षेत्र में पंच सरपंचों से तालमेल से गांवों में वास्तविक विकास की जरूरत पहचाने। उन्होंने कहा कि विकास के लिए आपसी मतभेद भुलाकर विकास को प्राथमिकता दे। सदस्यों ने उन्हें विकास को लेकर कुछ सुझाव दिए, जिस पर उन्होंने निश्चित ही ध्यान देने योग्य है। सुझावों पर सरकार अवश्य ध्यान देगी। इस मौके पर वाइस चेयरमैन प्रवीण यादव डोहर कलां, सुनील यादव मंडलाना, महेंद्र सिंह बापड़ोली, धर्मबीर मंढाणा, महेंद्र बास किरारोद, बस्ती बाई महरमपुर, राजबाला ढाणी भाठोठा, पूनम भांखरी, धर्मवीर सेका, राजसिंह शोभापुर व कृष्ण यादव गोद इत्यादि मौजूद रहे।

एसपी ने दरबार लगा सुनी पुलिस कर्मियों की समस्याएं

- सभी के सहयोग से सफल हो सकता है स्वच्छ भारत मिशन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। लाइन में दरबार लगाकर पुलिस कर्मियों की सुनवाई करते एसपी।

एसपी नितिश अग्रवाल ने शनिवार को पुलिस लाइन में पुलिस कर्मचारियों के परिवारों की समस्याएं सुनी। पुलिस अधीक्षक ने क्वार्टरों में रहने वाले परिवारों की समस्याओं को सुनने और उनका समाधान करने के लिए पुलिस लाइन के ग्राउंड में बैठक की। डीएसपी जितेंद्र कुमार और डीएसपी मोहम्मद जमाल व हाउसिंग कॉपारेरेशन के कर्मचारी भी मौजूद रहे। प्रवक्ता ने बताया कि एसपी ने कहा कि हम सभी पुलिस कर्मचारी एक परिवार की तरह हैं। यह पुलिस लाइन सभी पुलिस कर्मचारियों का घर है।

इस लाइन की सफाई में सहयोग देना केवल पुलिस कर्मचारियों की नहीं, हम सबकी जिम्मेदारी बनती है। इस मौके पर पुलिस लाइन के क्वार्टरों में रहने वालों ने अपनी समस्याएं रखी। इसमें सफाई, लाइन के रोड, सीवर, स्ट्रीट लाइट, पुलिस लाइन में बढ़ती बंदरों की संख्या, पानी, कैंटीन का सामान आदि की समस्याएं शामिल थी।

एसपी ने डी ग्रुप के कर्मचारियों की भी समस्याएं सुनी। जिन पर समस्यायों से संबंधित कर्मचारियों के साथ विचार-विमर्श कर अधिकांश का मौके पर समाधान किया गया और समस्याओं को उससे संबंधित अधिकारी को जल्द समाधान करने के निर्देश दिए। इसके बाद एसपी ने पुलिस लाइन और क्वार्टरों का निरीक्षण किया और साफ-सफाई का जायजा लिया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान काफी संख्या में पुलिस कर्मचारी और उनके परिवार के सदस्य मौजूद रहे।

अंडरपास निर्माण संघर्ष समिति का धरना जारी

- एम्स संघर्ष समिति ने अंडरपास निर्माण संघर्ष समिति को धरना स्थल पर पहुंचकर समर्थन दिया

हरिभूमि न्यूजः मंडी अटेली

मंडी अटेली। अंडरपास निर्माण लेकर पत्र देकर धरने का समर्थन करती हुई एम्स संघर्ष समिति मनेठी। फोटो: हरिभूमि

अटेली मंडी अंडरपास निर्माण संघर्ष समिति का धरना को भी जारी रहा। इस मौके पर एम्स संघर्ष समिति मनेठी ने अंडरपास निर्माण संघर्ष समिति को धरना स्थल पर पहुंचकर समर्थन दिया। शनिवार को घरने की अध्यक्षता किसान नेता महिपाल खरब तथा संचालन मास्टर सुबेसिंह द्वारा किया गया। इस मौके पर एम्स संघर्ष समिति मनेठी ने कार्यकारी अध्यक्ष बाबू कैलाश चंद के नेतृत्व में मास्टर लक्ष्मण सिंह, रामस्वरूप अटरोदिया व एम्स संघर्ष समिति मनेठी के प्रवक्ता कामरेड राजेन्द्र सिंह एडवोकेट सहित ने अण्डरपास निर्माण के लिए पिछले 18 दिन से जारी धरना स्थल पर पहुंचकर एम्स संघर्ष समिति की ओर से समर्थन का पत्र सौंपा और हर सम्भव सहयोग का भरोसा दिलाया। कार्यकारी अध्यक्ष बाबू कैलाश चन्द व कामरेड राजेन्द्र सिंह एडवोकेट ने धरने को सम्बोधित करते हुए कहा कि आपसी भाईचारा की बुनियाद पर जन आंदोलन का निर्माण कर ही जन समस्याओं का समाधान सम्भव है। केवल जन आंदोलन के रास्ते ही जन समस्याओं का निदान सम्भव है। इस मौके डॉ राजेन्द्र प्रसाद खरब ने कहा कि हम एम्स संघर्ष समिति मनेठी की संघर्ष की इस भावना का सम्मान करते हुए एम्स संघर्ष समिति मनेठी द्वारा सौंपे गए समर्थन पत्र के लिए आभार व्यक्त करते हैं। यदि शीघ्र ही अण्डरपास का शेष निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ तो संघर्ष समिति इस जनहित की मांग को लेकर गांव गांव में जाकर आन्दोलन को और तेज किया जाएगा। इस मौके पर महावीर यादव चंदपुरा, प्रकाश चंद खरब, घनश्याम जांगड़ा, लालचंद, बिजेंद्र चेयरमैन, हरद्वारीलाल जांगड़ा, मामचंद शर्मा, कृष्ण यादव व राजेंद्र मौजूद रहे।

चेलावास में पुलिस व ग्रामीणों के लिए खेल प्रतियोगिता आयोजित

रस्साकशी में युवाओं ने पुलिस टीम को हराया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कनीना

नशा समाज के लिए गंभीर समस्या है जिससे निजात पाने के लिए सामूहिक प्रयास करना होगा। ये बातें पुलिस अधीक्षक नितिश अग्रवाल ने शनिवार को कनीना थाना क्षेत्र के गांव चेलावास में आयोजित खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ करते हुए कही। उन्होंने कहा कि जिला पुलिस नशा तस्करों पर शिकंजा कस रही है, और युवाओं को नशे से दूर रहने का संदेश देकर उन्हें खेलों से जोड़ रही है। एसपी ने कहा कि पुलिस वॉलीबॉल, क्रिकेट, रस्साकस्सी दौड़ आदि खेलों के आयोजन कर युवाओं को नशे से दूर रहने का संदेश दे रही है। इसी कड़ी में चेलावास में खेल प्रतियोगिताएं करवाई गई हैं।

एसपी ने कहा कि प्रदेश के पुलिस महानिदेशक के दिशा-निर्देशानुसार पुलिस द्वारा गांव-गांव में खेल प्रतियोगिताएं कराई जा रही हैं। गांव पहुंचे पर ग्रामीणों ने एसपी नितिश अग्रवाल व डीएसपी जितेंद्र कुमार, डीएसपी मोहम्मद जमाल, डीएसओ मनोज कुमार, एसडीएम सुरेंद्र कुमार, थाना प्रबंधक कमलदीराणा का स्वागत किया। खेल स्टेडियम में वॉलीबाल, रस्सा-कसी तथा 100 मीटर, 200 मीटर व 400 मीटर दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। रस्साकस्सी प्रतियोगिता चेलावास के युवाओं और पुलिस जवानों के बीच कराई गई।जिसमे गांव के युवाओं ने पुलिस टीम को पराजित किया। विजेता टीम को एसपी ने ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। वॉलीबाल प्रतियोगिता में बलेश की टीम ने जीत हासिल की। जिसे ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया।

लड़कियों की 400 मीटर दौड़ में खुशबू ने प्रथम, नंदिनी ने द्वितीय और नितिशा ने तृतीय स्थान हासिल किया। 200 मीटर दौड में नियति ने प्रथम, प्रिया ने द्वितीय और भूमिका ने तृतीय स्थान हासिल किया। लड़कों की 100 मीटर की दौड़ में अमन ने प्रथम, प्रियांशु ने द्वितीय और आशीष ने तृतीय स्थान हासिल किया। दौड़ के विजेता खिलाड़ियों को एसपी ने मेडल पहनाकर सम्मानित किया। खेलों के समापन पर गांव के सरपंच विकास कुमार व मौजीज व्यक्तियों को पुलिस अधीक्षक द्वारा स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। पुलिस विभाग के तरफ से गांव युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करते हुए वॉलीबॉल तथा क्रिकेट खेल सामान किट प्रदान किया गया। ग्रामीणों ने समाज को नशा मुक्त बनाने में पुलिस प्रशासन का सहयोग करने का आश्वासन दिया।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर सदर थाना कनीना के इंचार्ज निरीक्षक रामनाथ, निरीक्षक नरेश, सुरक्षा शाखा प्रभारी, गांव के सरपंच विकास कुमार, जुगलाल, पूर्व सरपंच सुमेर सिंह, सतीश कुमार,रामौतार,हवासिंह सहित ग्रामीण मौजूद रहे।

रोलर कोस्टर बाजार का तोड़ हैं मल्टी एसेट फंड

बिजनेस डेस्क

इन दिनों शेयर बाजार में अच्छे दिन नहीं चल रहे दिखते हैं। किसी दिन बाजार झूम जाता है तो किसी दिन बिकवाल हावी हो जाते हैं। शेयर बाजार की इस अस्थिरता से ज्यादातर निवेशक खुश नहीं होते हैं। हालांकि निवेशक चाहे तो इससे अपने इनवेस्टमेंट को एक तरह से शील्ड दे सकते हैं। ऐसी स्थिति से बचने का उपाय है एसेट क्लास में महत्वपूर्ण डायवर्सिफिकेशन। एसेट क्लास अपने खुद के चक्रों का पालन करते हैं, और उनके उतार-चढ़ाव की भविष्यवाणी करना कभी आसान नहीं होता है। लेकिन, मल्टी एसेट फंड के जरिए इस स्थिति से निबटने में ज्यादा आसानी होगी। हालांकि मल्टी एसेट फंड से भी सर्वोत्तम रिटर्न पाने के लिए इनवेस्टर्स को कुछ बातों को ध्यान में रखना जरूरी होता है। आज हम इन्हीं सावधानी की चर्चा कर रहे हैं।

ऐसे में क्या करें निवेशक

छोटे या रिटेल इनवेस्टर ऐसी स्थिति में डर जाते हैं। शेयर बाजार के जानकारों का कहना है कि ऐसे में निवेशकों को सीजन एसेट क्लास के फ्लेवर के झांसे में नहीं आना चाहिए। इसके बजाय अपने पोर्टफोलियो के लिए एक संतुलित एसेट एलोकेशन स्ट्रेटेजी का पालन करना चाहिए। यही वह जगह है जहां मल्टी एसेट म्यूचुअल फंड फिट बैठते हैं और निवेशकों के लिए सबसे अच्छा अवसर प्रदान करते हैं। यह देखते हुए कि इक्विटी बाजारों में सुधार जितना दिखता है उससे कहीं ज्यादा अच्छा हो सकता है।

सेबी का नियम क्या कहता है

बाजार के जानकारों का कहना है कि मल्टी एसेट फंड हाइब्रिड फंड हैं। सेबी के नियमों के मुताबिक, फंड हाउसों को अपने फंड का न्यूनतम 10% कम से कम तीन एसेट क्लास में निवेश करना होगा। इन तीन एसेट क्लास में घरेलू और इंटरनेशनल इक्विटी, डेट और कमोडिटी का मिला जुला क्लास हो सकता है। इस तरह की रणनीति के लिए सभी एसेट क्लास में निवेश की जरूरत होती है। बाजार की अस्थिरता के बावजूद इस निवेश को स्थिर रखा जाना चाहिए।

इन बातों का रखें ध्यान

जानकारों के मुताबिक मल्टी एसेट फंड से सर्वोत्तम रिटर्न पाने के लिए निवेशकों को इन 3 बातों को ध्यान में रखना चाहिए। इससे आपको नुकसान नहीं होगा और आप अच्छा मुनाफा बाजार के उतार-चढ़ाव के दौरान प्राप्त कर पाएंगे।

- पहला यह कि वह इस बात को सुनिश्चित करें कि फंड लेबल के अनुरूप है और एसेट आवंटन मिश्रण में बदलाव नहीं है। उदाहरण के तौर पर निप्पॉन इंडिया मल्टी एसेट फंड घरेलू और विदेशी इक्विटी, कमोडिटी और डेट में 50:20:15:15 के निवेश अनुपात को कभी नहीं बदला है।। इस तरह का अनुशासित निवेश दृष्टिकोण यह सुनिश्चित करता है कि निवेशक हमेशा लाभ में रहें।
- दूसरा, ऐसा फंड चुनना चाहिए जिसका अंतरराष्ट्रीय इक्विटी में भी निवेश हो। उदाहरण के लिए निप्पॉन मल्टी एसेट फंड जो चार परिसंपत्ति वर्गों में निवेश करता है और कॉर्पस का 20% हिस्सा अंतरराष्ट्रीय इक्विटी में जाता है। सुंदरम, इनवेस्को और एक्सिस जैसे अन्य मल्टी एसेट फंड भी वैश्विक बाजारों में निवेश करते हैं।
- तीसरा-मल्टी एसेट फंड में निवेश करने का तीसरा फायदा निवेशकों को मिलने वाला इंडेक्सेशन का लाभ है। इंडेक्सेशन आपको फंड से ज्यादा प्राप्त करने में मदद करता है क्योंकि निवेश के मूल्य की गणना महंगाई जैसे कारकों को ध्यान में रखकर की जाती है और इससे आपको अधिक लाभ मिलता है।

एक साल में क्या रहा रिटर्न

पिछले एक साल में मल्टी एसेट फंड ने अच्छा रिटर्न दिया है। निप्पॉन इंडिया मल्टी एसेट फंड 15.72% रिटर्न के साथ सबसे आगे है। उसके बाद 13.85% के साथ मोतीलाल ओसवाल और 13.74% के साथ एचडीएफसी मल्टी एसेट फंड है। टाटा मल्टी एसेट फंड का रिटर्न इस दौरान 12.71% रहा है। मतलब कि सभी फंड हाउस ने 12 फीसदी से ज्यादा का ही रिटर्न दिया है।

इंडेक्स फंड्स भी दे सकते हैं फायदा, ध्यान से करें निवेश

- पिछले 1 साल में दिया 24% तक का रिटर्न
- निवेशक के लिए पंसद बनकर उभरे ये फंड
- एसआईपी के जरिये शुरू करें निवेश
- फिर धीरे-धीरे इसे बढ़ाते जाएं

बिजनेस डेस्क

अगर आप भी इन दिनों म्यूचुअल फंड्स में निवेश करने का प्लान बना रहे हैं तो एक बार बाजार पर भी नजर डाल लें और सावधानी पूर्वक पूरी जानकारी जुटाकर और अपने रिस्क को ध्यान में रखकर निवेश की ओर कदम बढ़ाए। बाजार में आपको हर तरह के शेयर मिलेंगे, लेकिन आप ध्यान से एक बार सभी अध्ययन कर उतरेंगे तो आसानी मोटा मुनाफा कमा सकते हैं। इसलिए जब भी बाजार में उतरें, पहले अपने लक्ष्य तय करें और रिस्क को देखकर ही पैसे लगाएं। वरना आप फायदे की जगह नुकसान का भी सामना कर सकते हैं। बाजार के जानकारों की मानें तो इस समय निवेशकों के लिए इंडेक्स फंड अच्छा ऑप्शन हो सकता है। जो निवेशक म्यूचुअल फंड में निवेश करके कम से कम जोखिम के साथ अच्छा रिटर्न चाहते हैं, उनके लिए इंडेक्स फंड सबसे बढ़िया विकल्प माने जाते हैं, पिछले एक साल में इन फंडों ने 20 से 24 फीसदी तक का रिटर्न दिया है। इस कैटेगिरी के कई फंड्स ने बीते 1 साल में 21% से ज्यादा का रिटर्न दिया है। इसके अलावा एक्सपर्ट्स के अनुसार अगले 4 साल शेयर बाजार में सालाना 20% बढ़त देखने को मिल सकती है। ऐसे में निफ्टी 50 या सेंसेक्स 30 में भी अच्छी तेजी देखने को मिलेगी। इस रिपोर्ट के जरिये हम आपको बताएंगे इंडेक्स फंड के बारे में जो निवेशकों के लिए समय पहली पसंद साबित हो रहे हैं। इन दिनों इंडेक्स फंड में आप भी निवेश कर अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं और खुद को आर्थिक रूप से समृद्ध बना सकते हैं।

इन फंड्स ने दिया बेहतर रिटर्न

फंड का नाम	1 साल	3 साल	5 साल
यूटीआई निफ्टी इंडेक्स फंड एक्सिस 50 निफ्टी	21.86%	18.17%	13.80%
नेक्स्ट 50 इंडेक्स आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल	21.75%	-	-
निफ्टी नेक्स्ट 50 इंडेक्स फंड	20.60%	17.70%	12.80%
एसबीआई निफ्टी इंडेक्स फंड	17.10%	16.60%	14.80%
आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल निफ्टी इंडेक्स फंड	17.20%	16.70%	15.10%

एक्सपेंस रेश्यो रहता है कम

इंडेक्स फंड में निवेश करने का खर्च अपेक्षाकृत कम होता है। बाजार के जानकारों का कहना है कि अन्य प्रत्यक्ष रूप से प्रबंधित म्युचुअल फंडों में जहां एसेट मैनेजमेंट कंपनी तकरीबन 2% तक शुल्क वसूलती हैं, वहीं इंडेक्स फंडों का शुल्क बहुत कम यानी कि तकरीबन 0.5% से 1 के बीच होता है। अस तरह से इंडेक्स फंड में एक्सपेंस रेश्यो कम रहता है जो एक तरह से निवेशक को लाभ ही देता है।

डाइवर्सिफिकेशन का मिलता है लाभ

इंडेक्स फंड से निवेशक अपना पोर्टफोलियो डाइवर्सिफाई कर सकते हैं। इससे नुकसान की संभावना घट जाती है। अगर एक कंपनी के शेयर में कमजोरी आती है तो दूसरे में ग्रोथ से नुकसान कवर हो जाता है। इसके अलावा इंडेक्स फंडों में ट्रैकिंग एरर कम होता है। इससे इंडेक्स को इमेज करने की एक्यूरेसी बढ़ जाती है। इस तरह रिटर्न का सटीक अनुमान लगाना आसान हो जाता है।

कितना देना होता है टैक्स?

12 महीने से कम समय में निवेश भुनाने पर इक्विटी फंड्स से कमाई पर शार्ट टर्म कैपिटल गेन्स टैक्स लगता है। यह मौजूदा नियमों के हिसाब से कमाई पर 15% तक लगाया जाता है। अगर आपका निवेश 12 महीनों से ज्यादा के लिए है तो इसे लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स माना जाएगा और इस पर 10% ब्याज देना होगा। हालांकि अगर आपका एलटीसीजी 1 लाख से कम है तो आपको इस पर कोई टैक्स नहीं देना होता है।

किसके लिए सही हैं इंडेक्स फंड

इंडेक्स फंड उन निवेशकों के लिए सही हैं जो कम रिस्क के साथ शेयरों में निवेश करना चाहते हैं। इंडेक्स फंड ऐसे निवेशकों के लिए बेहतर है जो रिस्क कैलकुलेट करके चलना चाहते हैं, भले ही कम रिटर्न मिले। जानकारों का कहना है कि इन फंडों में भले ही आपको रिटर्न कम मिले, लेकिन आपका पैसा सुरक्षित रहता है और अच्छा लाभ भी मिलता है।

एसआईपी के जरिए निवेश करना सही

म्यूचुअल फंड में एक साथ पैसा लगाने के बजाए सिस्टमेंटिक इनवेस्टमेंट प्लान यानी एसआईपी के जरिए निवेश करना चाहिए। एसआईपी के जरिए आप हर महीने एक निश्चित अमाउंट इसमें लगाते हैं। इससे रिस्क और कम हो जाता है, क्योंकि इससे इस पर बाजार के उतार चढ़ाव का ज्यादा असर नहीं पड़ता।

■ बैलेंस्ड एडवांटेज फंड रिस्क को प्रभावी ढंग से मैनेज करने में सक्षम ■ ये फंड इक्विटी और डेट दोनों विकल्पों में लगाते हैं निवेशों के पैसे
■ रिटर्न को अधिकतम करने का लक्ष्य रखने वालों के लिए बेहतर विकल्प ■ निवेशकों के लिए कमाई का बढ़िया जरिया, निवेशकों के लिए आदर्श
■ शेयर बाजार बढ़त पर कर रहे मालामाल, सावधानी से बढ़ाएं कदम ■ कोई निवेश बिना जोखिम वाला नहीं होता, हर किसी के फायदे-नुकसान

कम रिस्क में भी ज्यादा रिटर्न दे सकते हैं बैलेंस्ड एडवांटेज फंड

बिजनेस डेस्क

इस समय शेयर बाजार में झमाझम पैसा बरस रहा है। लनगभग सभी कंपनियों के शेयर अच्छा मुनाफा दे रहे हैं, निवेशक मालामाल हो रहे हैं। ऐसे में हर कोई निवेश के लिए तैयार है, लेकिन आप थोड़ी सावधानी के साथ निवेश के लिए बाजार में उतरें तो आपको अच्छा मुनाफा मिल सकता है। इस समय म्यूचुअल फंड में निवेश करना बेहतर है। ये फंड आपको कम रिस्क में बेहतर रिटर्न दे सकते हैं और आप आसानी से मालामाल हो सकते हैं। म्यूचुअल फंड इनवेस्टर से लेकर विदेशी निवेशक तक इस समय सभी खुश हैं। वैसे भी म्यूचुअल फंड (एमएफ) के अधिकतर इनवेस्टर शेयर बाजार के इकोनोमिक्स को सही सही नहीं समझते हैं। तब भी वे बाजार की तेजी में हिस्सेदार बनते हैं। दरअसल, म्यूचुअल फंड निवेश बाजार की बात करें तो निवेशकों का प्राथमिक लक्ष्य अपने निवेश पर बेहतर रिटर्न हासिल करना है। लेकिन कुछ बातों पर ध्यान रखें तो वे म्यूचुअल फंड से भी अच्छी कमाई कर सकते हैं। म्यूचुअल फंड का बैलेंस्ड एडवांटेज फंड रिस्क को प्रभावी ढंग से मैनेज करते हुए अपने रिटर्न को अधिकतम करने का लक्ष्य रखने वालों के लिए एक बेहतर विकल्प प्रदान करते हैं। शेयर बाजार के बारे में कहा जाता है कि यहां कोई भी निवेश बिना जोखिम वाला नहीं है, हर निवेश के अपने-अपने फायदे और नुकसान हैं, लेकिन म्यूचुअल फंड का बैलेंस्ड एडवांटेज फंड रिस्क को प्रभावी ढंग से मैनेज करते हुए अपने रिटर्न को अधिकतम करने का लक्ष्य रखने वालों के लिए एक बेहतर विकल्प प्रदान करते हैं। इससे उन्हें महत्वाकांक्षी म्यूचुअल फंड निवेशकों के लिए एक आदर्श विकल्प बनाता है।

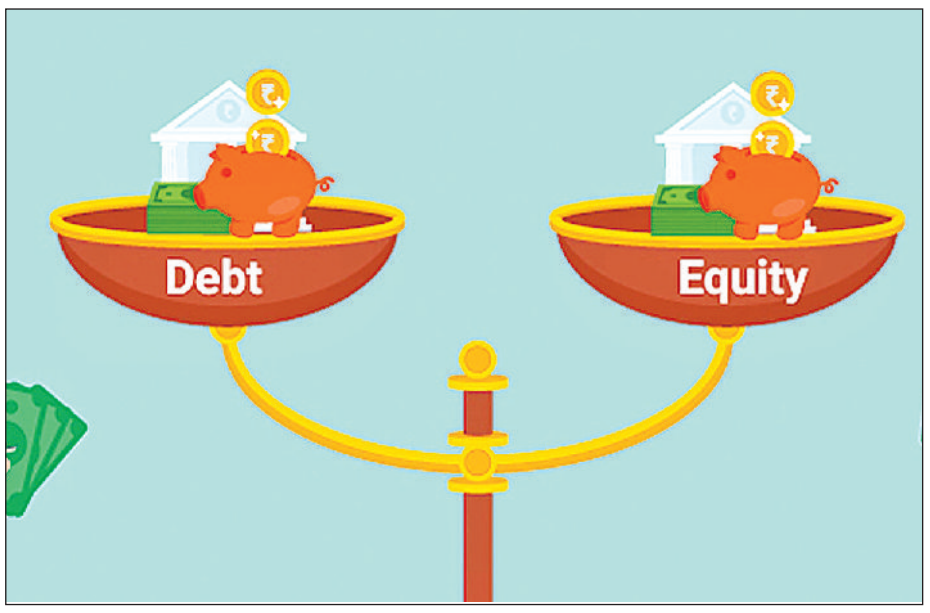

कम जोखिम और हाई रिटर्न

बैलेंस्ड एडवांटेज फंड जोखिम और रिवार्ड के बीच एक संतुलन हासिल करने की अपनी क्षमता के लिए पॉपुलर होते हैं। ये फंड इक्विटी और डेट दोनों तरह के विकल्पों में रणनीतिक रूप से निवेश करते हैं। ये फंड डेट विकल्पों में निवेश के माध्यम से स्थिरता प्रदान करते हैं, जबकि इक्विटी में निवेश के जरिए पूंजी में तेज बढ़ोतरी की क्षमता प्रदान करते हैं। यही संतुलन बाजार की अस्थिरता के प्रभाव को कम करते हुए मजबूत रिटर्न प्राप्त करने का बेहतर तरीका है।

लंबी अवधि के निवेश लक्ष्य को पूरा करने वाला विकल्प

चाहे आपका लक्ष्य सेवानिवृत्ति के लिए फंड जुटाना हो, अपने बच्चे की शिक्षा के लिए फंड जुटाना हो, या कोई अन्य दीर्घकालिक उद्देश्य पूरे करने के लिए फंड जुटाना हो, बैलेंस्ड एडवांटेज फंड आपको उस लक्ष्य पूरा करने में मदद कर सकते हैं। उनका सक्रिय प्रबंधन और बेस्ट रिटर्न देने की क्षमता उन्हें महत्वाकांक्षी वित्तीय लक्ष्य बनाने वाले निवेशकों के लिए एक आकर्षक विकल्प बनाती है।

यह है बैलेंस्ड एडवांटेज फंड

दरअसल यह म्यूचुअल फंड का एक ऐसा उत्पाद है, जो इक्विटी और डेट दोनों का मिला जुला होता है। बाजार की स्थितियों, ब्याज दरों और व्यापक आर्थिक परिस्थितियों के आधार पर इक्विटी और डेट के बीच बैफ में बदलाव होते रहता है। यह बाजार के हालात से निवेशकों का बचाव करता है. बाजार चाहे गिरा हुआ हो या नई ऊंचाइयों पर हो, नया संतुलन हो जाने से निवेशकों के लिए ये फंड जोखिम को कम कर देते हैं। जब बाजार को प्रभावित करने वाले कारकों में तेजी से बदलाव हो रहा हो, तब एक आम निवेशक के लिए उसके हिसाब से अपने पोर्टफोलियो को समायोजित करते रह पाना मुश्किल हो जाता है। जैसे मौजूद हालात को देखें तो दुनिया साल भर से ज्यादा समय से पूर्वी यूरोप में युद्ध की स्थिति से जूझ रही है। ग्लोबल इकोनॉमी के ऊपर मंदी का खतरा है। महंगाई और उसके कारण लगातार बढ़ते ब्याज दरों का दबाव है। ऐसे माहौल में आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल बैलेंस्ड एडवांटेज जैसे फंड ने पिछले एक दशक से भी अधिक समय में इक्विटी या डेट में एंट्री-एक्जिट को अच्छे से मैनेज किया है। बैलेंस्ड एडवांटेज फंड की यह रणनीति होती है कि जब बाजार नीचे हो तो सस्ते में शेयर खरीदे जाएं और जब बाजार ऊपर हो तो उसे महंगे में बेचकर निकल जाएं। इससे निवेशकों को महंगे बाजारों के दौरान मुनाफा कमाने में मदद मिलती है। ध्यान देने वाली बात यह है कि इन फंडों का शुद्ध इक्विटी एक्सपोजर 30 फीसदी के स्तर तक नीचे जा सकता है, लेकिन आम तौर पर इक्विटी में निवेश 65 फीसदी और उससे अधिक पर बनाए रखा जाता है।

बेहतर विकल्प क्या हैं

बाजार के जानकारों का कहना है कि अगर आप ऐसे निवेश की तलाश कर रहे हैं जो जोखिम समायोजित (रिस्क एडजस्टेड) बेहतर रिटर्न की संभावना प्रदान करता है, तो बैलेंस्ड एडवांटेज फंड आपके लिए बेहतर विकल्प हो कसता है। इसके अलावा किसी और विकल्प के बारे में विचार न करें। बैलेंस्ड एडवांटेज फंड निवेश का एक ऐसा जरिया है, जिसमें जोखिमों को प्रभावी ढंग से मैनेज (प्रबंधित) करते हुए बेहतर रिटर्न प्रदान करने की क्षमता होती है। पिछले कई सालों से देखा भी जा रहा है कि बैलेंस्ड एडवांटेज फंड ने निवेशकों को कम रिस्क में बेहतर रिटर्न दिया है। इस योजना में निवेशक आराम से निवेश कर अपनी पूंजी को बढ़ा सकते हैं।

बेहतर रिटर्न के लिए डायनमिक अलोकेशन

बैलेंस्ड एडवांटेज फंड की सबसे खास विशेषताओं में से एक उनका डायनमिक एसेट अलोकेशन है। कुशल फंड मैनेजर लगातार बाजार की स्थितियों पर अपनी नजर रखते हैं और इक्विटी व डेट के बीच फंड के आवंटन को उसी अनुसार समायोजित करते हैं। जब बाजार में तेजी होती है, तो वे इक्विटी में निवेश बढ़ाते हैं, और बाजार में गिरावट के दौरान, वे डेट इन्वेस्टमेंट के अवसरों पर ध्यान केंद्रित करते हैं। यह सक्रिय प्रबंधन निवेशकों को अवसरों का लाभ उठाने और बाजार के चुनौतीपूर्ण चरणों से निपटने में मदद करता है, जिससे संभावित रूप से अधिकतम रिटर्न मिलता है।

दौलत बढ़ाने के लिए बेहतर प्रदर्शन

बैलेंस्ड एडवांटेज फंड की पहचान लंबी अवधि में लगातार रिटर्न देने की उनकी क्षमता है। यह स्थिरता उन निवेशकों को आकर्षित कर रही है जो अपने रिटर्न में पूर्वानुमान के स्तर को बनाए रखते हुए अपनी संपत्ति में लगातार बढ़ोतरी करना चाहते हैं। फंड का स्थिर प्रदर्शन समय के साथ सर्वोत्तम रिटर्न हासिल होने की संभावना में योगदान देता है।

हायर नेट रिटर्न के लिए टैक्स दक्षता

बैलेंस्ड एडवांटेज फंड को टैक्स बेनेफिट देने के लिए डिजाइन किया गया है। जब वे अपनी संपत्ति का 65% से अधिक इक्विटी में आवंटित करते हैं, तो इन पर इक्विटी फंड की तरह टैक्स लगता है। इसके परिणामस्वरूप टैक्स देनदारी कम हो सकती है, विशेष रूप से लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स के लिए, जिससे निवेशकों को अपने रिटर्न का एक बड़ा हिस्सा बनाए रखने की अनुमति मिलती है।

डायवर्सिफिकेशन को आसान बनाया गया

डाइवर्सिफिकेशन हासिल करना जटिल हो सकता है, लेकिन बैलेंस्ड एडवांटेज फंड इस प्रक्रिया को सरल बनाते हैं। इन फंडों में निवेश के जरिए आपका पोर्टफोलियो डायवर्सिफाइड हो जाता है, क्योंकि ये अलग अलग एसेट क्लास में निवेश करते हैं। इससे न सिर्फ जोखिम कम करने में मदद मिलती है, बल्कि कई सेक्टर और एसेट क्लास (परिसंपत्ति वर्गों) का लाभ उठाकर सर्वश्रेष्ठ रिटर्न की संभावना भी बढ़ाता है।

रिटायरमेंट प्लानिंग के लिए भी म्यूचुअल फंड पर बढ़ा भरोसा

बिजनेस डेस्क

रिटायरमेंट की बात करें तो कुछ साल पहले यह भारतीयों के फाइनेंशियल प्लानिंग में प्राथमिकता नहीं थी। इसकी बजाए बहुत से लोग अपने दूसरे लक्ष्य को पूरा करने के लिए प्लानिंग करते थे, लेकिन अब ट्रेंड बदल रहा है। रिटायरमेंट भारतीयों के लिए अब तेज गति से वित्तीय प्राथमिकता बन रही है और ज्यादा से ज्यादा लोग अब अपनी फाइनेंशियल प्लानिंग में इसे तरजीह दे रहे हैं। रिटायरमेंट को फाइनेंशियल प्लानिंग में ऊपर रखने के मामले में भारत 2023 के एक सर्वे के अनुसार दुनिया में छठे स्थान पर पहुंच गया है, जो 2020 में 8वें स्थान पर था। एक सर्वे में ये बातें सामने आई हैं। इस सर्वे के अनुसार पहले रिटायरमेंट मुख्य रूप से परिवार के दायित्वों को पूरा करने को लेकर जुड़ा था, लेकिन पिछले कुछ साल में, इसकी परिभाषा आत्म-सम्मान और खुद की पहचान की तलाश तक पहुंच गई है। यानी अब लोग रिटायरमेंट के बाद भी वर्किंग ईयर की तरह बेहतर लाइफ जीना चाहते हैं। आज, भारतीय अपनी जरूरतों या इच्छाओं से समझौता किए बिना अपने फाइनेंस पर नियंत्रण चाहते हैं, जिसके लिए बेहतर रिटायरमेंट प्लानिंग बहुत जरूरी है।

इन पहलुओं पर विचार

पॉजिटिव पहलू

पॉजिटिव पहलू यह है कि धन को अप्रत्याशित/अपेक्षित जरूरतों के प्रति 'सुरक्षा जाल' के रूप में माना जाता है। इसे अपनी फैमिली के प्रति अपने कमिटमेंट को पूरा करने के लिए 'सक्षम बनाने वाला' और सामाजिक सम्मान और गौरव चाहने वालों के लिए 'सक्षम होने का प्रतीक' माना जाता है। महामारी के बाद, यह 'स्वतंत्रता की तलाश' के नए आकार में विकसित हुआ है—यानी अपनी लाइफ स्टाइल और जरूरतों से समझौता किए बिना जिम्मेदारियों को पूरा करना। इन जरूरतों और जिम्मेदारियों में बड़ा घर बनाना, बच्चों के लिए क्वालिटी एजुकेशन से लेकर फैशन, तकनीक, साज-सज्जा विकल्पों, छुट्टियों आदि के माध्यम से लाइफ स्टाइल को बेहतर बनाना शामिल है।

निगेटिव पहलू

निगेटिव पहलू यह है कि पैसा बनाने और उसे मैनेज करने को लेकर लोगों के कमिटमेंट और जिम्मेदारियों को पूरा करने की क्षमता पर सीधा प्रभाव पड़ता है। निगेटिव पहलू में, अगर कोई विशेषज्ञता की कमी या बढ़ते फाइनेंशियल डिजिटल वर्ल्ड को अपनाने में असमर्थता/देरी होने के कारण अपने पैसे को अच्छी तरह से मैनेज करने में असमर्थ है—तो इससे सामाजिक शर्मिंदगी, कम आत्मसम्मान और/या कमी की भावना पैदा हो सकती है।

भारतीय निवेशक फिक्स्ड इनकम और बीमा को दे रहे प्राथमिकता, ईटीएफ की तुलना में एमएफ आकर्षण बढ़ा

- व्यक्तिगत आय में बढ़ोतरी के साथ लोगों की आय में से कर्ज और देनदारियों के लिए अलोकेशन बढ़ रहा है। भारतीय अपने धन का 59 फीसदी घरेलू खर्चों के लिए और 18 फीसदी लोन चुकाने के लिए रख रहे हैं, जो 2020 के मुकाबले ज्यादा है।
- लोगों द्वारा पूंजी के निर्माण की दिशा में एक प्रयास किया जा रहा है, जहां कुल आय का 5 फीसदी स्किल डेवलपमेंट या एजुकेशन लोन के लिए अलोकेट किया जाता है।
- 48 फीसदी ने बताया कि महामारी के कारण सोच, व्यवहार और वित्तीय योजना में बदलाव आया। -भारतीय वित्तीय रूप से अधिक जागरूक, योजना बनाने वाले और अनुशासित हो गए हैं।
- अब कम आय के साथ, अधिक रिटर्न जेनरेट करने और वित्तीय रूप से सुरक्षित रहने पर अधिक ध्यान है। जैसे-जैसे आय बढ़ रही है, लोगों की प्राथमिकता अपने वर्तमान वर्किंग प्लेस में उच्च पद तक पहुंचना और पैसिव इनकम के सोर्स विकसित करने जैसे अन्य पहलुओं को दी जा रही है।

- पहचान' और 'आत्म-सम्मान' अब केवल भूमिकाओं और जिम्मेदारियों को पूरा करने तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि खुद की देखभाल करना और जानने तक भी बढ़ रहा है।
- महामारी के बाद, भारतीयों ने पारिवारिक सुरक्षा के अलावा, मेडिकल इमरजेंसी और रिटायरमेंट योजना जैसी लंबी अवधि के लक्ष्य पर अधिक जोर देना शुरू कर दिया है।
- महामारी के बाद फाइनेंस मैनेजमेंट से संबंधित 'आय के वैकल्पिक सोर्स की कमी' के बारे में चिंता करने वालों की संख्या साल 2020 में 8% से बढ़कर 2023 में 38% तक पहुंच गई है।
- महामारी के बाद, 'महंगाई' व 'आर्थिक मंदी' रिटायरमेंट के बाद फाइनेंस मैनेजमेंट से संबंधित चिंताओं की टॉप लिस्ट में आ गए।
- करीब 67 फीसदी भारतीयों का कहना है कि वे रिटायरमेंट के लिए तैयार हैं, जिससे उन्हें काम और जीवन के बारे में पॉजिटिव सोच मिलती है, जिन लोगों ने अपनी रिटायरमेंट की योजना बनाई है, वे आमतौर पर इसे 33 साल की उम्र के आसपास शुरू करते हैं और जिन्होंने नहीं किया है, वे 50 की उम्र में शुरू करने का इरादा रखते हैं।
- 2020 में 10% की तुलना में 2023 में 23% लोगों को सीधे इक्विटी/शेयर और एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) की तुलना में म्यूचुअल फंड ज्यादा आकर्षक दिख रहा है। सर्वे के अनुसार भारतीय निवेशक अभी भी फिक्स्ड इनकम विकल्पों और बीमा को प्राथमिकता देते हैं।
- बदल रही लाइफ स्टाइल और मैक्रो-इकोनॉमिक स्थितियों के साथ, भारतीयों को लगता है कि उन्हें अपने रिटायरमेंट फंड बनाने के लिए अपनी सालाना आय का 10-12 गुना चाहिए, जो 2020 के सर्वेक्षण में 8-9 गुना था।

वित्तीय सुरक्षा को लेकर सजग

आय का वैकल्पिक सोर्स होने से रिटायरमेंट के लिए तैयारी की भावना काफी बढ़ जाती है। सर्वे में भाग लेने वाले 36 फीसदी में से जिनके पास वैकल्पिक आय के सोर्स हैं, उनमें से 42 फीसदी ऐसे हैं, जिन्हें फाइनेंशियल एसेट्स में निवेश से अतिरिक्त आय होती है। अब हर कोई अपनी वित्तीय सुरक्षा को लेकर पूरी तरह से सजग है। जिनके पास रिटायरमेंट योजना है, उनमें से सिर्फ 10 फीसदी ही रजिस्टर्ड इन्वेस्टमेंट एडवाइजर से उचित फाइनेंशियल प्लानिंग को लेकर सेवाएं चाहते हैं।

खबर संक्षेप

पुण्यतिथि पर श्मशान में बनवाया भवन

सतनाली मंडी। खंड के गांव नावां की भरपाई देवी ने अपने पति स्व. धनसीराम की पुण्यतिथि पर गांव के श्मशान घाट में भवन का निर्माण करवाया। नवनिर्मित भवन का जिला पार्षद योगी वचनाई नाथ व रिटायर्ड तहसीलदार गोपीचंद नावां ने उद्घाटन किया। योगी वचनाई नाथ ने बागोतिया परिवार के कार्य की सराहना की।

हैप्पी स्कूल में शिक्षक-अभिभावक सम्मेलन

महेंद्रगढ़। हैप्पी एवरग्रीन स्कूल में शनिवार को शिक्षक-अभिभावक सम्मेलन हुआ। इसमें सत्र 2023-24 की कक्षा नर्सरी से कक्षा 12वीं के बच्चों की शैक्षिक विकास पर चर्चा की। अध्यापकों ने अभिभावकों को परीक्षा के अंकों की जानकारी दी गई। इस दौरान 1075 की संख्या में अभिभावकों का आगमन हुआ, जिन्होंने बच्चे की प्रत्येक गतिविधि जांची।

सांझा मोर्चा आज करनाल में घेरेगा सीएम आवास

नारनौल। दिन-प्रतिदिन कर्मचारियों की बढ़ रही समस्याओं को देखते हुए 24 दिसंबर को रोडवेज सांझा मोर्चा ने करनाल में मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने का निर्णय लिया है। डिपो के प्रधान अनिल भीलवाड़ा ने बताया कि सरकार द्वारा सांझे मोर्चे को गत 11 जनवरी, 10 मार्च, 23 जून एवं 13 दिसंबर को कर्मचारियों की मांगों के समाधान के लिए बैठकों के लिए आमंत्रित किया गया। सांझे मोर्चे ने कर्मचारियों की मांगों समाधान बारे तर्क व प्रमाण दिए।

अनिल भीलवाड़ा।

सुन्दरह के किसान ने टीबों में उगाए सेब, चीकू

कनीना। गांव सुन्दरह के उन्नत किसान बलवान ने रेतीले टीबों में सेब व चीकू का बाग लगाकर उन्नति के द्वार खोल दिए हैं। दो वर्ष पूर्व उनकी ओर से फलदार पौधे लगाए गए थे। जिन्होंने फल देना प्रारंभ कर दिया है। बलवान ने बताया कि वह भारतीय वायुसेना से सेवानिवृत्त हैं। उसके बाद भारत पेट्रोलियम में भी नौकरी की। जिससे संतुष्टि नहीं मिली।

विद्यार्थियों ने बाबा रामेश्वर दास धाम का किया भ्रमण

नारनौल। राजकीय मॉडल संस्कृति वमावि धौलेड़ा के विद्यार्थियों ने प्राचार्य नगेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में नजदीक के बाबा रामेश्वर दास धाम मंदिर का शैक्षणिक भ्रमण किया। डॉ. जितेंद्र भारद्वाज ने बताया कि 80 बच्चों ने बाबा रामेश्वर दास धाम मंदिर का भ्रमण किया व मंदिर परिसर में बनी धार्मिक कथाओं को चित्रित करती शिक्षाप्रद कलाकृतियों को देखा।

सबसे कम उम्र में सरकारी नौकरी पाने का सुनहरा मौका, परीक्षा से चयन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

भारतीय सेना में भर्ती होने की चाह रखने वाले कैंडिडेट्स के लिए अच्छी खबर है। यूपीएससी ने एनडीए और सीडीएस परीक्षा का नोटिफिकेशन जारी कर एप्लीकेशन प्रोसेस भी शुरू कर दिया गया है। जो भी कैंडिडेट एप्लीकेशन फॉर्म भरना चाहते है वो यूपीएससी की ऑफिशियल वेबसाइट यूपीएससी डॉट जीओवी डॉट इन पर जाकर अपना फॉर्म भर सकते है। आपको बता दें कि कैंडिडेट के पास एप्लीकेशन फॉर्म भरने के लिए नौ जनवरी तक का समय है। यूपीएससी में एनडीए के 400 पद तथा सीडीएस के 457 पदों के लिए आवेदन मांगे गए है। जिनमें आयु सीमा कम से कम 16.5 वर्ष रखी गई है। इसके साथ ही शैक्षणिक योग्यता बारहवीं रखी गई। सीडीएस भर्ती में सामान्य, ओबीसी मेल कैंडिडेट को दो सौ रुपये ऑनलाइन फीस अदा करनी पड़ेगी तथा एससी, एसटी व किसी भी जाति के फीमेल कैंडिडेट के लिए शून्य शुल्क रखा गया है। वही एनडीए भर्ती में सामान्य, ओबीसी मेल कैंडिडेट को एक सौ रुपये शुल्क अदा करना पड़ेगा तथा एससी, एसटी व किसी भी जाति के फीमेल कैंडिडेट के लिए कोई भी शुल्क नहीं है। यूपीएससी एनडीए में राष्ट्रीय रक्षा अकादमी एनडीए पुरुष/महिला, नौसेना अकादमी एनए केवल पुरुषों के लिए तथा सीडीएस में भारतीय सैन्य अकादमी आईएमए, भारतीय नौसेना अकादमी आईएनए, वायु सेना, अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी, ओटीए महिला पदों पर आवेदन मांगे गए है। एनडीए में सबसे कम उम्र में सरकारी नौकरी लगने का चांस होता है। एनडीए में लगा बच्चा शादी की उम्र तक लगभग पांच वर्ष की नौकरी हो जाती है और सोच समझकर अपने जीवन साथी का चयन कर सकता

इन दस्तावेजों की होगी जरूरत, नोटिफिकेशन किया जारी

यूपीएससी एनडीए, एनए और सीडीएस भर्ती के लिए आवेदन करते समय उम्मीदवारों को फोटो आईडी प्रूफ के रूप में आधार कार्ड, वोटर कार्ड, पैन कार्ड, पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस रखना होगा। इसके साथ ही उम्मीदवार की स्कैन की गई फोटो, सिग्नेचर और आईडी कार्ड, प्रमाण पत्रों के रूप में मैट्रिक और डिग्री प्रमाण पत्र होना चाहिए।

भर्ती के लिए एजुकेशनल क्वालीफिकेशन

एनडीए परीक्षा के लिए उम्मीदवारों को 12वीं कक्षा उत्तीर्ण होना चहिए। सीडीएस के लिए विवि से ग्रेजुएट होना जरूरी है। नौ सेना में शामिल होने के लिए इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री होनी चाहिए, जबकि वायु सेना अकादमी के लिए स्नातक की डिग्री के साथ 12वीं कक्षा में भौतिकी और रसायन विज्ञान में उत्तीर्ण होना चाहिए।

नारनौल। सीएससी सेंटर से कैंडिडेट अपना ऑनलाइन फॉर्म भरवाता हुआ।

ऑनलाइन आवेदन की आयु सीमा

एनडीए परीक्षा के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवारों की आयु 16.5 से 19.5 वर्ष होनी चाहिए। सीडीएस परीक्षा के लिए, वायु सेना और नौसेना के लिए आवेदन करने वालों की आयु सीमा 19 से 23 वर्ष के बीच होनी चाहिए और अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी के लिए उम्मीदवारों की आयु 19 से 24 वर्ष के बीच होनी चाहिए।

अप्रैल माह में होगी परीक्षा

यूपीएससी शेड्यूल के अनुसार एनडीए,एनए और सीडीएस परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि नौ जनवरी तक है। एनडीए, एनए और सीडीएस के लिए परीक्षा 21 अप्रैल, 2024 को आयोजित की जाएगी। एनडीए और सीडीएस परीक्षा का प्रवेश पत्र परीक्षा से तीन सप्ताह पहले जारी होने की उम्मीद जताई जा रही है।

नारनौल। महोत्सव में अंध विद्यालय की छात्राओं ने दी सांस्कृतिक प्रस्तुति।

नारनौल। महोत्सव में सांस्कृतिक प्रस्तुति देते छात्राएं।

नारनौल। महोत्सव का शुभारंभ करते राज्यमंत्री ओमप्रकाश यादव।

महावीर गुड्डू के शिव गायन और बम लहरी पर भक्ति में लीन हुए दर्शक

सांस्कृतिक संध्या के साथ गीता महोत्सव संपन्न

राज्यमंत्री ओम प्रकाश यादव रहे मुख्य अतिथि, प्रदेश सरकार जन-जन तक गीता का शास्वत संदेश को पहुंचाने को प्रयासरत, सहयोग देने के लिए सभी आए आगे ओम प्रकाश यादव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

आईटीआई मैदान में चल रहे गीता महोत्सव-2023 के जिला स्तरीय गीता जयंती समारोह का शनिवार को सांस्कृतिक संध्या व पारितोषिक वितरण कार्यक्रम के साथ भव्य समापन हुआ। राज्यमंत्री ओम प्रकाश यादव मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद थे। उन्होंने कहा कि गीता का संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जितना हजारों वर्ष पूर्व था। हम सभी को गीता को जीवन में आत्मसात करना चाहिए। यह शांति एवं ज्ञान का मार्ग है। गीता केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं बल्कि जीवन जीने की विशेष कला है। यह सभी धर्म के लोगों के लिए कारगर है। प्रदेश सरकार अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव के जरिए जन-जन तक गीता के शास्वत संदेश को पहुंचाने का कार्य कर रही है। सांस्कृतिक संध्या के दौरान हरियाणा के जाने-माने कलाकारों ने अपनी गीतों के जरिए गीता का संदेश दिया। विभिन्न स्कूलों व कॉलेज के बच्चों ने भी हरियाणा की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को मंच के माध्यम से प्रदर्शित किया। हरियाणवी कलाकार महावीर गुड्डू ने जब शिव गायन और बम लहरी की प्रस्तुति दी तो दर्शक भक्ति में लीन हो गए।

नारनौल। प्रदर्शनी में हाथ से तैयार किए गए पैन बॉक्स के बारे में मंत्री को बताते आईटीआई प्राचार्य विनोद खनगवाल। फोटो : हरिभूमि

श्रीमद्भागवत गीता के रंग में रंगा नजर आया नारनौल

नारनौल। शहर शनिवार को श्रीमद्भगवत गीता के रंग में रंगा नजर आया। गीता महोत्सव-2023 के उपलक्ष्य में चामुंडा देवी मंदिर से शोभा यात्रा शुरू हुई और मुख्य बाजार से होते हुए यात्रा का समापन आईटीआई मैदान में हुआ। सूचना, लोक संपर्क, भाषा तथा संस्कृति विभाग एवं जिला प्रशासन की ओर से श्रीकृष्ण कृपा सेवा समिति जिओ परिवार के सहयोग से निकली शोभा यात्रा में हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। नगराधीश डॉ मंगल सैन ने शोभायात्रा का शुभारंभ किया। गीता महोत्सव के समापन अवसर पर नगर शोभा यात्रा के दौरान विभिन्न धार्मिक व सामाजिक संगठनों द्वारा मनोहारी झांकियां निकाली गई। ये झांकियां श्रद्धालुओं व धर्म प्रेमियों के आकर्षण का केंद्र बनी रही। दो सफेद घोड़ों वाली बग्गी पर स्थापित गीता का बाजार में आगमन हुआ तो नागरिकों ने श्रद्धा से नमन किया। इससे पहले चामुंडा देवी मंदिर में सुबह हवन यज्ञ व गीता पूजन हुआ। इसके साथ ही सुबह ठीक 11 बजे एक मिनट एक साथ गीता पाठ हुआ। पूरी दुनिया में एक साथ ही नागरिकों ने गीता पाठ में भाग लिया। जिला के विभिन्न स्कूलों के बच्चे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए एक साथ गीता पाठ कार्यक्रम में जुड़े। इस दौरान गीता के प्रथम श्लोक, मध्यम श्लोक तथा अंतिम श्लोक का पाठन किया गया। इस मौके पर डा अशोक आहूजा, घनश्याम गर्ग, सोमदेव शर्मा, साहिल मित्तल, सुरजीत अरोड़ा, गुरमेल सिंह, शिव हरि यादव, सुरेश कुमार, रजनी गर्ग, संतोष आहूजा, मधु यादव, नवेदिता यादव, सीताराम चौबे के अलावा अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

हरियाणा स्कूल में गीता महोत्सव पर श्लोक व प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित

नारनौल। मौहल्ला चौधरियान स्थित हरियाणा सीनियर सैकेण्डरी स्कूल में शनिवार को गीता महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय प्राचार्य अवनीश कुमार व समस्त अध्यापकगण ने सामूहिक रूप से पवित्र ग्रंथ गीता पर वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ के पुष्प अर्पित एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर विद्यालय प्रागंण में भगवत गीता विषय पर श्लोक प्रतियोगिता एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। श्लोक प्रतियोगिता में नैन्सी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वंशिका सैनी ने द्वितीय तो कोमल गर्ग ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में चंचल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। नंदनी ने द्वितीय तो धनवी सैनी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेता छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत करते हुए विद्यालय प्राचार्य ने भगवत गीता रूपी ज्ञान अमृत के महत्व को बताते हुए कहा कि भगवत गीता सभी धर्मग्रन्थों का सार है।

कार्यक्रम संयोजक राहुल सोनी ने बताया कि हजारों साल पहले भारत की धरती पर श्रीकृष्ण भगवान ने गीता के रूप में उपदेश दिया था।

गीता मानव को कर्म करने का संदेष देती है। गीता भारतीय संस्कृति का आधार है। कार्यक्रम का समापन प्रसाद वितरण कर किया गया। इस मौके पर रामनिवास डीपीई, अशोक यादव, संजय कुमार, नरेश कुमार, मनमोहन, लोकेश कुमार, जोगिन्दर कुमार, अमन कुमार, दीपक कुमार, शुभराम यादव, वन्दना सैनी, लक्ष्मी चैहान, अल्पना शर्मा, सुमन सैनी आदि समस्त अध्यापकगण व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सुख में संयम तथा दुख में धर्य रखने की प्रेरणा देता है धार्मिक ग्रंथ गीताः वंदना यादव

नांगल चौधरी। सरस्वती विद्या मंदिर सीनियर सकेंडरी स्कूल की छात्राओं ने नारनौल में आयोजित गीता महोत्सव में श्लोकाचरण में प्रथम स्थान हासिल किया है। मेधावी छात्राओं को प्राचार्या वंदना यादव ने स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया है। सम्मान समारोह में विद्यार्थियों को गीता ग्रंथ के सिद्धांतों का अनुसरण करने का आह्वान किया, जिससे समाज में सद्कर्म करने का भावना का संचार हो सकेगा। उन्होंने कहा के 700 श्लोकों से सुशोभित गीता का ग्रंथ सगाई का प्रतीक है। जिसके अध्यन से समाज को सद्कर्म करने तथा निस्वार्थ परोपकार करने का संदेश मिलता है। गीता में सभी समस्याओं का समाधान तथा संघर्ष करने की प्रेरणा का समावेश है। विचलित होकर परिश्रम छोड़कर सुविधाजनक रास्ते की तलाश करने लगते हैं। जबकी संघर्ष की ताकत से किसी भी परेशानी को भगाया जा सकता है। तर्क दिया कि पूरे विश्व में गीता ही एकमात्र ग्रंथ है जिससे सुख में संयम और दुख में धैर्य रखने का संदेश मिलता है। इसके बाद श्लोकाचरण में प्रथम रही छात्राओं का अभिनंदन किया। उन्होंने बताया कि रास लीला गायन में भी छात्राओं का प्रदर्शन सहरानीय रहा है। कार्यक्रम में संस्था के एमडी अमित यादव, अशोक कुमार, मुकेश कुमार मौजूद रहे।

बच्चों ने प्रस्तुत किए रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम

बचपन प्ले स्कूल में दो दिवसीय वार्षिकोत्सव का आगाज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

मौदाश्रम मंदिर के सामने मौहल्ला जवाहरनगर में स्थित बचपन प्ले स्कूल में शनिवार को विद्यालय के दो दिवसीय वार्षिकोत्सव का शुभारंभ किया गया। विद्यालय चेयरमैन रमेश सैनी एवं चेयरपर्सन निशा सैनी ने बताया कि हर वषार्ें की भांति इस वर्ष भी विद्यालय का वार्षिकोत्सव बहुत ही धूमधाम से मनाया गया, जिसमें बचपन प्ले स्कूल, ओम साईंराम इंटरनेशनल स्कूल एवं किड्स प्ले स्कूल के बच्चों ने बहुत ही अच्छी तैयारी के साथ-अपनी शानदार प्रस्तुति दी।

उन्होंने बताया कि विद्यालय का यह दो दिवसीय वार्षिकोत्सव 23 एवं 24 दिसंबर को दोपहर एक बजे से शाम पांच बजे तक चलेगा। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय संस्थापक शेरसिंह सैनी द्वारा मां सरस्वती के सामने दीप प्रज्वलित करके किया गया तथा बच्चों के द्वारा गणेश वंदना, सरस्वती वंदना एवं श्री साईं वंदना से कार्यक्रम का आगाज किया। इस दौरान उन्होंने एकल नृत्य, युगल नृत्य, समूह नृत्य, पंजाबी भंगड़े, कव्वाली, गीत, भजन, रागनी, एकांकी, नाटक आदि अनेक सुंदर-सुंदर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करके लोगों को मंत्र मुक्त किया।

बचपन प्ले स्कूल द्वारा प्रस्तुत पेरेंट्स अवेयरनेस हरियाणवी, राजस्थानी-चम चम चमके चूंदड़ी एवं बाल विवाह प्ले तथा ओम साईंराम इंटरनेशनल स्कूल द्वारा प्रस्तुत- हू इज मोर, पॉवरफुल संवाद, मां तुझे सलाम देश भक्ति डांस, आरंभ है प्रचंड है डांस, समुद्र मंथन एक्ट, अकबर बीरबल एकांकी आदि तो बहुत ही सराहनीय रहे, जबकि किड्स गार्डन प्ले स्कूल द्वारा प्रस्तुत यह देश है वीर जवानों का और देवा देवा नृत्य ने भी खूब तालियां बटोरीं। इस मौके पर प्राचार्या चित्रा शर्मा, किड्स प्ले स्कूल प्राचार्या सविता यादव, बचपन हेड रूपाली अरोड़ा, प्रवक्ता अमरसिंह सोनी, ब्राह्मण सभा पूर्व प्रधान महावीर भांडोर, प्रवक्ता प्रमोद शास्त्री, मोहन वशिष्ठ, लालचंद सैनी एडवोकेट, नवीना कौशिक, अनुराधा, महिमा, रेखा यादव, रेणु, ऋतु, काजल, पूनम सोनी, रीटा शर्मा, ममता व पायल आदि उपस्थित रही।

महेंद्रगढ़। सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति देते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

सीएल के छात्र गर्वित ने पास की एनडीए परीक्षा

नारनौल। यूपीएससी की ओर से हाल ही में एनडीए परीक्षा परिणाम 2023-24 घोषित किया गया। जिसमें सीएल पब्लिक स्कूल के छात्र गर्वित शर्मा पुत्र मनीष शर्मा ने यह परीक्षा उत्तीर्ण कर संस्था व क्षेत्र का नाम रोशन किया है। गर्वित की इस उपलब्धि पर संस्था के प्रबंधक निदेशक डॉ अमित गुप्ता ने उनका आर्मी लेफ्टेनेंट में चयन होने पर बधाई दी। उन्होंने इसका श्रेय अध्यापक वह उनके माता-पिता को दिया। उन्होंने बताया कि गर्वित शर्मा शुरू से ही पढ़ने वाला व अध्ययनशील रहा है। इससे पहले भी उन्होंने अनेक प्रतियोगिताओं और राष्ट्रीय लेवल तक की परीक्षाओं में उपलब्धि हासिल की है। उनकी इस उपलब्धि पर प्राचार्य रविंद्र सिंह और स्कूल के सभी स्टाफ ने भी उनको बधाई दी।

छात्र गर्वित।

एमआर स्कूल में अभिभावक-शिक्षक संगोष्ठी में सांझा की परीक्षा रिपोर्ट

नारनौल। एमआर पब्लिक स्कूल ताजपुर में शनिवार अभिभावक-शिक्षक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। आयोजित संगोष्ठी में कक्षा नर्सरी से बाहरवीं कक्षा के बच्चों के अभिभावकों ने भाग लिया। स्कूल में आए अभिभावको का बच्चों ने तिलक से व मिठाई खिलाकर स्वागत किया। परीक्षा में विद्यार्थियों के परिणाम उत्कृष्ट रहे। शिक्षकों ने अभिभावकों को बच्चों के प्रदर्शन की जानकारी दी और बच्चों की परिणाम रिपोर्ट सांझा की। विद्यालय की प्रधानाचार्या साक्षी मलिक ने इस परिणाम के लिए अभिभावकों को बधाई देते हुए कहा कि एक बच्चे के अच्छे भविष्य के निर्माण के लिए संस्कारों का तथा अच्छी शिक्षा का बहुत अधिक योगदान होता है। विद्यालय के चैयरमैन सियाराम यादव ने कहा कि देश की तरक्की में युवा विद्यार्थियों की अहम भूमिका होती है। यदि देश का युवा वर्ग शिक्षित होगा तो देश भी तरक्की करेगा। उन्होंने अभिभावकों को बताया कि अभिभावक समय-समय पर स्कूल प्रांगण में पहुंचकर अपने बच्चों की जानकारी प्राप्त करें। पीटीएम एक माध्यम जिससे माता-पिता को अपने बच्चे की ताकत, कमजोरियों और समग्र प्रगति के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकता है।

खबर संक्षेप

गायों गुड़ व हरा चारा खिला मनाया जन्मदिन

नारनौल। गांव कादीपुरी निवासी नितेश कुमार ने भारतीय संस्कृति से अपने बच्चे का 10वां जन्मदिन मनाया। अपने बेटे संग गोशाला पहुंचकर गायों की पूजा कर गुड़ खिलाया। गौ सेवक नितेश कुमार ने बताया कि गायों की सेवा से बढ़कर कोई पुण्य नहीं है। युवाओं को व अभिभावकों को अपने बच्चों का जन्मदिन होटलों में जाकर पार्टी कर मनाने की बजाए गौशाला में गौ माता की पूजा कर मनाना चहिए।

शिक्षक अजीत सिंह व चेतनसिंह को पितृ शोक

सतनाली मंडी। खंड के गांव जड़वा के राजकीय महाविद्यालय सतनाली के प्रो. अजीत सिंह एवं प्रवक्ता चेतनसंह के पिता मदन सिंह शेखावत (82) का निधन हो गया। वे पिछले कुछ दिन से अस्वस्थ थे। उनके निधन पर कस्बे सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोगों ने शोक जताया और दिवंगत आत्मा की शांति की प्रार्थना की।

मदन सिंह शेखावत

चेलावास से सोलर लाइट की बेटरी चोरी

कनीना। कनीना सिटी थाना अंतर्गत गांव चेलावास में पंचायत की ओर से लगाई गई सोलर लाइट की बैटरी चोरी हुई है। सरपंच विकास कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में कहा कि रात के समय राजेश के मकान के पास लाइट लगी हुई थी। जिसे अज्ञात चोर चोरी कर ले गए। जिसकी सीसीटीवी फुटेज भी है। पुलिस ने केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

घर से अचानक लापता हुई विवाहिता, केस दर्ज

महेंद्रगढ़। क्षेत्र के एक गांव से विवाहिता अचानक लापता हो गई है। पति ने अपने बुआ के लड़के पर उसकी पत्नी को बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने बताया कि उसकी पत्नी की तलाश करने की मांग की है। पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।
विवाहिता के पति ने पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि उसकी शादी 2005 में हुई थी।

फैक्ट्री से ट्रांसफार्मर का तेल व सामान चोरी

महेंद्रगढ़। गांव डेरोली अहीर में एक फैक्ट्री से अज्ञात चोर ट्रांसफार्मर का तेल व अन्य सामान चोरी करके ले गए है। पीड़िता ने सदर पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। किरण ने पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि वह गांव बडकोदा नारनौल की निवासी है। उसने श्री श्याम कोटन फैक्टरी के नाम से डेरोली अहीर में फैक्ट्री लगा रखी है। फैक्टरी में बिजली की टंकी लगी हुई थी।

सरकार की नई व्यवस्था से किसान हो रहे परेशान

पीपीपी के साथ अटैच हो रहा मेरी फसल, मेरा ब्यौरा का पंजीकरण

फैमिली आईडी में वार्षिक आय अधिक पाए जाने पर किसानों को सरकारी सुविधाओं पर कैंची चलने का सता रहा डर

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

प्रदेश सरकार की ओर से इन दिनों रबी फसल का मेरी फसल मेरा ब्यौरा में ऑनलाइन पंजीकरण किया जा रहा है, लेकिन अबकी बार फसल पंजीकरण में आधार कार्ड की बजाए फैमिली आईडी को अटैच किया जा रहा है। फैमिली आईडी से पंजीकरण अटैच करने के कारण कई किसान परिवारों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही उनमें सालाना आय अधिक पाए जाने पर उनकी सरकारी सुविधाएं कटने का खतरा उत्पन्न हो गया है। इतना ही नहीं, एक फैमिली आईडी में परिवार के अलग-अलग किसानों के अलग-अलग मोबाइल नंबर दर्ज नहीं होने के कारण पंजीकरण करवा पाना मुश्किल हो गया है। उल्लेखनीय है कि प्रदेश सरकार की ओर से साल में दो बार मेरी फसल मेरा ब्यौरा के तहत पंजीकरण किया जाता है। खरीफ एवं रबी बिजाई उपरांत यह पंजीकरण किया जाता है। पहले पंजीकरण में आधार कार्ड अटैच किया जाता था, लेकिन अब फैमिली आईडी पंजीकरण में दर्ज करवानी होगी। एक ही फैमिली आईडी यानि परिवार के दो या अधिक किसान होने से किसानों को परेशानी आ रही है। अनेक फैमिली आईडी में मोबाइल नंबर सदस्यों के अनुसार अलग-अलग फीड होने की बजाए एक ही नंबर दर्ज हैं।

एक ही नंबर दर्ज होने के कारण ओटीपी दूसरे किसान के पास नहीं जाता है और उसका पंजीकरण नहीं हो पाता है। गौर हो कि देश के किसानों को राहत पहुंचाने के लिए केंद्र और प्रदेश सरकार विभिन्न प्रकार की योजनाएं चलाती हैं। इतना ही नहीं, इन योजनाओं का लाभ किसान ले सकें, इसके लिए उन्हें जागरूक भी किया जाता है। इस तरह हरियाणा सरकार ने भी किसानों को राहत पहुंचाने के लिए मेरी फसल मेरा ब्योरा पोर्टल लॉन्च किया हुआ है। इस पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कराकर हरियाणा के किसान विभिन्न प्रकार की सरकारी योजनाओं की जानकारी हासिल कर सकते हैं। इसके अलावा योजनाओं पर सब्सिडी और उसका लाभ लेने के अलावा फसल नुकसान पर मुआवजा भी हासिल कर सकते हैं। साथ ही मंडियों में वही किसान सरकारी समर्थन मूल्य पर अपनी फसलें बेच सकते हैं, जिन्होंने पंजीकरण करवाया हुआ हो। योजना के तहत किसान मेरी फसल मेरा ब्योरा पोर्टल पर अपनी जमीन व फसल से संबंधित जानकारी भरनी होती है।

नारनौल। किसान द्वारा बोई गई गेहूं की फसल। *फोटो: हरिभूमि*

जमीन का बंटवारा न होने से भी परेशानी

परिवार पहचान पत्र को पंजीकरण से अटैच करने पर किसानों को परेशानी हो रही है। उदाहरण के तौर पर अनेक ऐसे किसान हैं, जिन्होंने जमीन का बंटवारा नहीं किया हुआ है और फैमिली आईडी भी एक ही बनवाई हुई है और मोबाइल नंबर भी एक ही दर्ज है, लेकिन हकीकत में खेतों में फसल अलग-अलग लेते हैं। ऐसे किसान पोर्टल पर पंजीकरण करवाना चाहते हैं तो फैमिली आईडी के आधार पर मुखिया के मोबाइल नंबरों पर ओटीपी जाता है और एक पीपीपी के आधार पर फसल पंजीकरण एक ही बार हो सकता है। ऐसे में दूसरे किसान परेशान हो रहे हैं।

रजिस्ट्रेशन के लिए जरूरी दस्तावेज

मेरी फसल मेरा ब्यौरा योजना का लाभ लेने के लिए किसान इसके पोर्टल पर जाकर खुद अपने मोबाइल से रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। इसके अलावा वह अपने नजदीकी अटल सेवा केंद्र या सीएससी सेंटर में जाकर अपना ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। इसके लिए किसानों को अपने साथ कुछ जरूरी दस्तावेज रखने होंगे, जिनमें फैमिली आईडी यानि परिवार पहचान पत्र, आधार कार्ड, पहचान पत्र, जमीन से संबंधित कागजात, मोबाइल नंबर, पासपोर्ट साइज रंगीन फोटो, निवासी प्रमाण पत्र और बैंक डिटेल शामिल हैं। रजिस्ट्रेशन में इन सभी की जरूरत होती है।

सरकार ने गड़बड़ी रोकने को ऐसा गया

पिछले साल कुछ लोगों ने फर्जी तरीके से मेरी फसल मेरा ब्योरा में पंजीकरण करवा लिया था और अपने बैंक खाते अटैच करवाकर ठगी करने का प्रयास किया था। इस कारण अबकी बार परिवार पहचान पत्र अटैच किया गया है, ताकि गड़बड़ी रोकी जा सके। किसानों को किसी संशय में नहीं रहना चाहिए। यदि मोबाइल नंबर काम नहीं कर रहा है तो उसे फैमिली आईडी में अपडेट करवा लें। यह किसी भी अटल सेवा केंद्र या सीएससी सेंटर पर जाकर करवाया जा सकता है।
-डा. देवेंद्र सिंह,
डीडीए, कृषि विभाग, नारनौल।

जिले की स्थिति

मेरी फसल मेरा ब्यौरा में जिला महेंद्रगढ़ प्रदेश में तीसरे नंबर पर बना हुआ है। अब तक जिला महेंद्रगढ़ के 49401 किसान पंजीकरण करवा चुके हैं, जिन्होंने 136325 एकड़ एरिया फसली पंजीकृत करवाया है। महेंद्रगढ़ से ऊपरी पायदान पर पहले पर कुरुक्षेत्र तथा दूसरे पर करनाल बने हुए हैं। सबसे निचले पायदान पर फरीदाबाद जिला है। महेंद्रगढ़ जिले में करीब 85 हजार किसान पंजीकरण करवाते हैं।

80% सड़कों पर नहीं सफेद पट्टी

- ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कों पर नहीं है सफेद पट्टटी, सड़क क्षतिग्रस्त होने के कारण कभी हो सकता है बड़ा हादसा

हरिभूमि न्यूज ⏭महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। ग्रामीण क्षेत्र की एक सड़क पर गायब सफेद पट्टी। *फोटो: हरिभूमि*

जिले में रात का न्यूनतम तापमान लगातार पांच डिग्री सेल्सियस के नीचे बना हुआ है। वहीं शाम होते ही धुंध दस्तक देना शुरू कर देती है, लेकिन अभी ग्रामीण क्षेत्र 80 प्रतिशत सड़कों से गायब सफेद पट्टी से हादसों की संभावना अधिक हो गई है। ग्रामीण क्षेत्र की सड़क की हालत खस्ता होने के कारण हादसे की संभावना ओर भी बढ़ जाती है। क्षेत्र में आमतौर पर नवंबर के अंतिम सप्ताह में कोहरा छाना शुरू हो जाता है। प्रशासन और लोक निर्माण विभाग की ओर से सड़कों पर सफेद पट्टियों के साथ-साथ संकेतक लगाने का काम भी पूरा कर लिया जाना चाहिए था, लेकिन जिम्मेदारों ने अभी तक इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया है।

कोहरे के मौसम में यातायात को सुगम बनाने और वाहन चालकों को सुरक्षित अपने गंतव्य तक पहुंचाने में सड़कों की सफेद पट्टी व संकेतक काफी महत्वपूर्ण माने जाते हैं, लेकिन महेंद्रगढ़ के ग्रामीण क्षेत्र में अधिकारियों को लोगों की सुरक्षा की परवाह नहीं है। बदहाल सड़कें और गायब सफेद पट्टी हादसों का कारण बन सकती है। ग्रामीण क्षेत्र की कुरहावटा रोड, अटेली रोड, डुलाना रोड व सेहलंग रोड पर न ही तो दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में संकेतक लगाए गए हैं और न ही सड़कों पर सफेद पट्टी है। दिसंबर माह समाप्त होने की ओर से है, लेकिन अब पीडब्लूडी विभाग की ओर से रेवाड़ी-महेंद्रगढ़ स्टेट हाईवे पर सफेद पट्टी लगाने का कार्य शुरू किया है। इस मार्ग के करीब 70 प्रतिशत सफेद पट्टी लगाई जा चुकी है।

श्रीराम कथा श्रवण से हो जाती परम पद की प्राप्ति

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

नारनौल। हुडा सेक्टर में आयोजित श्रीराम कथा में मंचासीन शास्त्री का स्वागत करते आयोजक।

महिला मंडल द्वारा हुडा सेक्टर एक में स्थित प्लाट नंबर 166 में आयोजित नौ दिवसीय संगीतमय श्रीराम कथा के 9वें दिन वृंदावन के महाराज कृष्ण शास्त्री ने कथा का शुभारंभ आरती से किया, जिसमें अनेक महिला व पुरुषों ने कथा का आनंद लेकर धर्म लाभ कमाया। संगीतमय श्रीराम कथा सुनाते हुए शास्त्री ने कहा कि जो भी जीव जीवन में राम कथा का आश्रय एकबार कर लेता है तो भगवान की कथा के श्रवण मात्र से उसे जीव को परम पद की प्राप्ति हो जाती है। जीवन को जीने की कथा है। श्रीराम की कथा है। हमें निज धर्म पर चलना सिखाती है। जीवन की कोई भी समस्या हो, अगर एकबार प्रभु श्रीराम के नाम का आश्रय जीव धारण कर ले तो निश्चित ही जीव को धाम की प्राप्ति होती है। श्रीराम कथा में भगवान राघवेंद्र ने मां शबरी के ऊपर कृपा की सवारी को नवधा भक्ति का उपदेश दिया। उसके बाद भगवान श्रीराम ने सुग्रीव से मित्रता की। शास्त्री ने बाली के वध व हनुमान के लंका में जाकर के मां सीता की खोज का सुंदर वर्णन किया। इसके बाद हनुमान जब लंका दहन करके भगवान श्रीराम के पास लौटे तो प्रभु ने समुद्र पर सेतु का निर्माण कर भगवान श्री रामेश्वरम की पूजा कर लंका पर चढ़ाई की। लंका पहुंचकर भगवान ने रावण का वंश सहित उद्धार किया।

एक दिवसीय एग्रोमैक्स जागरूकता सम्मेलन

महेंद्रगढ़। कृषि विभाग द्वारा एक दिवसीय जिला स्तरीय कृषि सम्मेलन कनीना में धूमधाम से किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्यातिथि विधायक सीताराम यादव एवं विशिष्ठ अतिथि जिला प्रमुख डॉ. राकेश कुमार रहे। कृषि उपनिदेशक डा. देवेंद्र कुमार, जिला उधान अधिकारी प्रेम कुमार, गुण नियंत्रण निरीक्षक डॉ. संजय कुमार, उपमंडल कृषि अधिकारी डॉ. अजय यादव, अनिल यादव पचवानिया सहित अनेक कृषि एक्सपर्ट व किसानों ने भाग लिया और सरकारी एवं निजी कंपनियों ने अपने स्टॉल भी लगाए। कंपनियों ने स्टाल लगाकर अपने-अपने प्रोडक्ट को दिखाए। एग्रोमैक्स के जोनल मैनेजर उपदेश सक्सेना, डिस्ट्रीब्यूटर विनोद अग्रवाल, गिरधर ट्रैक्टर प्रा.लि. हिम्मत सिंह, फील्ड सहायक नीतीश कुमार ने अपने स्टाल पर किसानों को अपने प्रोडक्ट दिखाकर, उनकी विशेषताएं बताकर व कृषि संबंधी जानकारी देकर किसानों को जागरूक किया।

नारनौल। डॉ श्याम सुंदर शर्मा को श्रद्धासुमन अर्पित करते सांसद वरुण गांधी।

वरुण गांधी ने डॉ. श्याम सुंदर को दी श्रद्धांजलि

- प्रदेश के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्यमंत्री ओम प्रकाश यादव सहित कई नेताओं ने भी नमन कर दी श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

लोकसभा सांसद व भाजपा नेता वरुण गांधी शनिवार डा श्याम सुंदर शर्मा की दूसरी पुण्यतिथि पर श्रद्धा सुमन अर्पित करने के लिए अटेली मंडी पहुंचे। जन सेवा मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन बाछोदिया व जिला समाज कल्याण अधिकारी अमित शर्मा के पिता डॉ श्याम सुंदर शर्मा की दूसरी पुण्यतिथि पर वरुण गांधी ने कहा कि श्रीश्याम सुन्दर शर्मा समाज सेवा के क्षेत्र में अपना नाम रखते थे। उन्होंने हमेशा गरीब लोगों की सेवा के साथ साधु संतों की सेवा में भी अहम भूमिका निभाई। उनके जैसे व्यक्तित्व को समाज की युवा पीढ़ी को भी अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज लोगों की यह भीड़ श्री श्याम सुंदर शर्मा को जिस प्रकार से श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए उमड़ी है उसे देखकर यह प्रतीत हो रहा है कि श्री श्याम सुंदर शर्मा समाज में कितना ऊंचा स्थान रखते थे। प्रदेश के सामाजिक एवं अधिकारिता राज्यमंत्री ओमप्रकाश यादव ने भी श्री श्याम सुंदर शर्मा को श्रद्धासुमन अर्पित किए। उन्होंने कहा कि श्री श्याम सुंदर शर्मा लोगों के लिए एक मिसाल हैं।

जन्म के समय ऑक्सीजन की कमी से नवजात में दिव्यांगता का खतरा

नारनौल। संतोष मेमोरियल पुनर्वास एवं अनुसंधान केंद्र नसीबपुर में तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ किया। इस समारोह में मुख्य अतिथि संजय कांत प्रसाद रहे। चेयरमैन मुकेश गुप्ता व प्राचार्य डॉ. आरएन यादव ने स्वागत किया। उन्होंने लर्निंग डिसेबिलिटी के विषय पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि बच्चों के जन्म के दौरान ऑक्सीजन की कमी से यह समस्या हो सकती है। उन्होंने कई ऐसी तकनीकों पर चर्चा की, जिनसे हम इस समस्या का समाधान कर सकते हैं। कार्यक्रम में छात्रों ने एक प्रस्तुति भी दी, जिसमें उन्होंने इस संस्था ने दिव्यांग बच्चों को मुख्य धारा में जोड़ने के कैसे प्रयास किए हैं, का वर्णन किया। इसके बाद चेयरमैन मुकेश गुप्ता ने उदाहरण देते हुए कहा कि शिक्षा में नैतिक मूल्यों का समावेश होना चाहिए तथा शिक्षा को गुणात्मक रूप प्रदान किया जाना चाहिए। संदीप संघी ने बताया कि संतोष मेमोरियल पुनर्वास एवं शोध केंद्र ने अपने क्षेत्र में एक विशेष संस्था के रूप में ख्याति प्राप्त की है। कार्यक्रम में शामिल होने वाले विभिन्न विशेषज्ञों और विद्वानों ने बच्चों को मार्ग-दर्शन करने का संकल्प जताया।

हर भारतीय के रोम रोम में रामः दयाशंकर

दीपावली जैसा जगमग होगा महेंद्रगढ़

हरिभूमि न्यूज ⏭महेंद्रगढ़

नेशनल माडल स्कूल में शहर के गणमान्य लोगों की बैठक हुई, जिसकी अध्यक्षता नगर संयोजक दयाशंकर तिवाड़ी ने की। तिवाड़ी ने बताया कि 22 जनवरी को करोड़ों देशवासियों की चिर-प्रतिक्षित कामना पूरी होने जा रही है। इस दिन रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम अयोध्या में हो रहा है। एक जनवरी से 15 जनवरी तक हर घर में संपर्क किया जाएगा। 22 जनवरी को हर भारतीय घर में पांच-पांच दीप और मंदिर व प्रतिष्ठानों में दीपक जलाए जाएंगे। लड़ियां, रंगोली आदि बनाकर सजाया जाएगा। इस मौके पर सुभाष डागर, नगर पालक महावीर भांडोरिया, सहसंयोजक जयवर्धन, नगर कार्यवाह भारत बंधु, वेदप्रकाश, विजय सेठ, कृष्ण पांचाल, प्रमोद शास्त्री, पुरुषोत्तम, सोमवीर, बिशन दयाल व लाल सिंह आदि उपस्थित रहे।

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाएं। *फोटो: हरिभूमि*

22 जनवरी को घर घर जलाए जाएंगे दीये

महेंद्रगढ़। जन-जन की आत्मा में बसने वाले हम सबके आराध्य मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम 22 जनवरी को अपने ईष्ट स्थान अयोध्या में विराजमान होंगे। नपा उपप्रधान मंजू कौशिक ने सामना आर्ट ग्रुप की ओर से आयोजित रामलला महिला जागरूकता उत्सव की तैयारियों को लेकर नगर की प्रबुद्ध महिलाओं को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि 22 जनवरी को हम अपने अपने घरों दीपावली की तरह लड़ी लगाकर दीप जलाकर भगवान राम के अयोध्या स्थित भव्य मंदिर में विराजमान होने पर मनाएं।

हरिभूमि रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 24 दिसंबर 2023

क्रिसमस स्पेशल

ईसा मसीह का जन्मदिन सदियों से क्रिसमस पर्व के रूप में मनाया जाता है। इस पर्व की सबसे बड़ी विशेषता है कि लगभग सभी धर्मों के लोग दुनिया भर में इसे उल्लास से मनाते हैं। इस पर्व में निहित प्रेम और भाईचारे का संदेश ही वास्तव में सभी को एक-दूसरे से जोड़ता है, विश्व बंधुत्व की भावना के लिए प्रेरित भी करता है।

प्रेम-उल्लास का वैश्विक पर्व क्रिसमस

{ कवर स्टोरी / धीरज बसाक }

हर वर्ष 25 दिसंबर को दुनिया के हर कोने में क्रिसमस का पर्व मनाया जाता है। क्रिसमस का यह पर्व यूं तो ईसाई धर्म के प्रवर्तक ईसा मसीह के जन्मदिन की खुशी के रूप में ईसाई धर्म के अनुयायियों के द्वारा मनाया जाता है, लेकिन बहुत से गैर ईसाई लोग भी प्रेम और भाईचारे को बढ़ावा देने वाले इस पर्व को खुशी-उल्लास से मनाते हैं। अपने देश भारत में भी बड़े पैमाने पर सभी धर्मों के लोग क्रिसमस मनाने लगे हैं।

अरबों लोग मनाते हैं यह पर्व

अगर आंकड़ों के हिसाब से देखें तो दुनिया में करीब 2.20 अरब क्रिश्चियन हैं। वे सब तो भरपूर उल्लास के साथ क्रिसमस को सेलिब्रेट करते ही हैं, साथ ही करीब 50 करोड़ दूसरे धर्म के मानने वाले लोग भी इस पर्व को मनाते हैं। इस तरह दुनिया में क्रिसमस अकेला ऐसा पर्व है, जिसे करीब पौने तीन अरब से अधिक लोग मनाते हैं। दूसरे नंबर पर ईद का पर्व है, जिसे दुनिया भर के करीब 2 अरब लोग मनाते हैं।

शुरुआत के संदर्भ में मान्यता

क्रिसमस ईसाईयों का सबसे बड़ा और सबसे महत्वपूर्ण त्योहार है। माना जाता है कि 25 दिसंबर को ही बैतलहम में मैरी और जोसेफ के घर जीसस क्राइस्ट का जन्म हुआ था। सन् 221 में एक ईसाई यात्री सेक्सटस जूलियस अफ्रीकनस ने पहली बार 25 दिसंबर यानी जीसस के जन्मदिन को क्रिसमस के रूप में मनाया था। तभी से धीरे-धीरे ईसाई धर्म के अनुयायियों के बीच जीसस के जन्मदिन को क्रिसमस पर्व के रूप में मनाया जाना शुरू हुआ। सेक्सटस जूलियस अफ्रीकनस नामक इस ईसाई यात्री ने दूसरी सदी के अंत और तीसरी सदी की शुरुआत तक का इतिहास भी लिखा है।

होता है उमंग-उल्लास का माहौल

कई यूरोपीय देशों में 25 दिसंबर यानी क्रिसमस के दिन प्रभु यीशु से संबंधित वैसे ही झांकियां निकलती हैं, जैसे अपने देश में रामलीला के अवसर पर या गुरुपर्व पर झांकियां निकलती हैं। क्रिसमस एक ऐसा धार्मिक उत्सव है, जिसका आनंद सभी धर्मों के लोग लेते हैं, क्योंकि क्रिसमस को लेकर कट्टर धार्मिक आग्रह नहीं है। इसलिए यह त्योहार गैर ईसाई लोग भी पूरे मन से मनाते हैं। इस दिन लोग शाम के समय गिरिजाघर जाते हैं और मोमबत्ती जलाकर प्रार्थना करते हैं। बच्चों को खासतौर पर क्रिसमस का इंतजार इसलिए भी रहता है, क्योंकि 24 दिसंबर की रात में सांता क्लॉज की वेशभूषा में उनका कोई अपना या अंजान व्यक्ति आकर उन्हें चॉकलेट और दूसरे गिफ्ट्स देता है। इस दिन लोग 'क्रिसमस कैरोल' नामक एक खास तरह का गीत गाते हैं। इस मौके पर कई लोग एरोकेरिया नामक पौधे को छोटे-छोटे रंगीन गेंदों, बल्ब और खिलौनों से सजाते हैं, जिसे क्रिसमस ट्री कहा जाता है।

प्रेम-भाईचारे का देता है संदेश

वैसे तो यह पर्व प्रभु ईसा मसीह के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। लेकिन यीशु ने अपने अवतारी जीवन में प्रेम और करुणा के जिन उच्च मानवीय मूल्यों की महत्ता को स्थापित किया, वो उस काल में ही नहीं आज के दौर और हर युग में प्रासंगिक हैं। आज जब हर ओर हिंसा, दुख और तनाव का माहौल है, ऐसे में हम प्रभु यीशु के संदेशों को अपने जीवन में अगर अपना लें, तो ही वैश्विक शांति स्थापित हो सकती है और तभी क्रिसमस पर्व मनाने की सार्थकता होगी। *

जमकर की जाती है खरीदारी

जिस तरह से भारत में दीपावली का त्योहार खरीदारी का बहुत बड़ा मौका होता है, उसी तरह अमेरिका और यूरोप के देशों में सबसे ज्यादा शॉपिंग क्रिसमस के मौके पर होती है। बिग डे शॉपिंग जैसे कॉन्सेप्ट वास्तव में क्रिसमस पर होने वाली शॉपिंग की वजह से ही पॉपुलर हुए हैं। माना जाता है कि विश्व के उपभोक्ता बाजार को गति देने में और उसे महत्वपूर्ण बनाने में क्रिसमस शॉपिंग का बहुत बड़ा योगदान है। अनुमान के मुताबिक समूची दुनिया में क्रिसमस के मौके पर इतनी शॉपिंग होती है, जितनी समूचे अफ्रीकी देशों का वार्षिक बजट भी नहीं होता। इसलिए ना सिर्फ लोगों की खुशियों से बल्कि कारोबार की खुशियों से भी क्रिसमस का बहुत गहरा नाता है, इसलिए यह आधुनिक उपभोक्तावादी संस्कृति का सबसे पसंदीदा पर्व भी है।

{ वर्ल्ड रिकॉर्ड / शिखर चंद जैन }

क्रिसमस पर लाखों लाइट्स से जगमगाता है यह अमेरिकी घर

अगर किसी गांव का कोई घर अपनी जगमगाहट के कारण गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज हो जाए तो अचरज होना स्वाभाविक ही है। यही नहीं इस अनूठे प्रकाशमान घर के कारण एक छोटा-सा अमेरिकी गांव क्रिसमस के अवसर पर चर्चित पर्यटन स्थल बन जाता है। इस गांव की आबादी तो लगभग 4,600 लोगों की है, लेकिन क्रिसमस के दौरान, इस अनोखे घर को देखने यहां 60,000 से अधिक पर्यटक आ जाते हैं।

जी हां, हम बात कर रहे हैं न्यूयॉर्क (अमेरिका) के ग्रामीण इलाके डचेज काउंटी के नियनवाले गांव में रहने वाले दंपति टिमोथी और ग्रेस गे के घर की। नियनवाले गांव के अंधेरे माहौल में उनका यह अनूठा घर दूर से किसी प्रकाश स्तंभ की तरह चमकता हुआ दिखता है। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि क्रिसमस के मौके पर टिमोथी-ग्रेस गे के इस घर में 7,20,420 बल्ब जलते हैं। ये बल्ब एक साउंड ट्रैक से जुड़े हुए होते हैं, जो करीब ढाई सौ गीतों की धुन पर बार-बार रंग बदलते हैं। इससे जगमगाहट से पूरा माहौल जादुई और बहुत आकर्षक लगता है। यहां एक तालाब भी है, दोनों किनारे पर लगे पेड़ों पर बंधी रस्सी में बड़ा सा ग्लोब, हार्ट, सितारे और इंद्रधनुष लटकाए जाते हैं। ये सभी आकृतियां भी रंग-बिरंगे बल्बों से बनी होती हैं। इनकी छाया जब तालाब के जल में पड़ती है तो देखने वाले को लगता है, मानो वह किसी मायालोक में आ गया है।

ऐसे हुई सजावट की शुरुआत: टिमोथी और ग्रेस गे (पति-पत्नी) ने सबसे पहली बार अपने इस घर को वर्ष 1995 में छोटे बल्बों से रोशन किया था। यह मौका था, उनके पहले बच्चे के जन्मोत्सव का। अपनी खुशी का इजहार करने के लिए इस दंपति ने अपने घर को 600 रंग-बिरंगे बल्बों से सजाया था। कुछ वर्षों बाद अपने शौक को बढ़ाते हुए उन्होंने अपने 1.7 एकड़ में फैले आवासीय परिसर के सामने तालाब के आस-पास मौजूद पेड़ों और झाड़ियां को भी मिनी बल्बों की झालर से सजा दिया।

बना दिया वर्ल्ड रिकॉर्ड: हर साल घर सजाने के क्रम में वर्ष 2011 में टिमोथी-ग्रेस गे को पता चला कि ऑस्ट्रेलिया में रहने वाले एक दंपति भी अपने घर को लाइटों से सजाते हैं और उनका नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज है। उस दंपति से टिमोथी और ग्रेस गे सिर्फ कुछ बल्ब कम लगाते थे। यह जानकारी मिलते ही टिमोथी और ग्रेस गे ने वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम करने की ठान ली। इस तरह अगले ही साल वर्ष 2012 में उन्होंने यह वर्ल्ड रिकॉर्ड हासिल कर लिया। 2013 में वे पिछड़ गए थे, लेकिन उसके बाद 2014 से अब तक उनका ही नाम गिनीज बुक में दर्ज है। अपने इस अनूठे शौक के कारण इस दंपति की ख्याति राष्ट्रीय ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंच गई है। टिमोथी-ग्रेस गे के साथ-साथ उनका गांव भी दुनिया भर में चर्चित हो गया है। *

{ अमेजिंग }

वर्ल्ड हाइएस्ट वूडेन चर्च

क्रिसमस के पर्व पर चर्च को बहुत शानदार तरीके से सजाया जाता है। इस अवसर पर प्रभु यीशु के जन्मोत्सव की खुशी में चर्च में बड़ी संख्या में लोग जुटकर प्रेयर करते हैं, कैरोल्स गाते हैं और एक-दूसरे को क्रिसमस विश करते हैं।

वैसे तो दुनिया भर में ईसाई धर्म के लोगों के लिए बड़ी संख्या में चर्च मौजूद हैं। लेकिन उनमें से कुछ चर्च अपनी विशिष्ट संरचना के कारण दुनिया भर में चर्चित हैं। इनमें से ही एक वर्ल्ड हाइएस्ट वूडेन चर्च भी है। यह चर्च रोमानिया देश के मारामुरेस काउंटी में सापांता गांव के पास सापांता पेरी मोनेस्ट्री में स्थित है। इस चर्च का नाम दुनिया के सबसे ऊंचे वूडेन चर्च के तौर पर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया है।

इस चर्च की ऊंचाई 78 मीटर यानी करीब 256 फीट है। चर्च की इमारत इतनी ऊंची है कि इसे पांच किलोमीटर की दूरी से देख सकते हैं। चर्च का निर्माण मारामुरेस शैली में हुआ है। चर्च के निर्माण में ऑक वुड (बतूल की लकड़ी) का इस्तेमाल हुआ है। ऑक वुड सबसे मजबूत मानी जाती है और लंबे समय तक टिकी रहती है। सापना पेरी मोनेस्ट्री में बना यह चर्च, वर्तमान में रोमानिया देश में ईसाई धर्मावलंबियों के सबसे लोकप्रिय स्थानों में शामिल है। *

प्रस्तुति : देवेंद्र पांडे

{ फेस्टिवल स्टोरी / योगेश कुमार गोयल }

क्रिसमस वाले दिन बच्चों को सांता क्लॉज का खासतौर से इंतजार रहता है। इस दिन वे बच्चों के लिए ढेर सारे उपहार और तरह-तरह के खिलौने लेकर आते हैं। सांता क्लॉज की वास्तविकता से जुड़ी कई कहानियां प्रचलित हैं।

दयावान-बच्चों के प्यारे सांता क्लॉज

क्रिसमस का नाम सुनते ही बच्चों के मन में सफेद-लंबी दाढ़ी वाले लाल-सफेद रंग की ड्रेस और सिर पर फुनगी वाली टोपी पहने पीठ पर खिलौनों उपहारों का झोला लादे बूढ़े बाबा 'सांता क्लॉज' की तस्वीर उभर आती है। बच्चे प्यार से सांता क्लॉज को 'क्रिसमस फादर' भी कहते हैं। सांता क्लॉज के प्रति ना केवल ईसाई समुदाय के बच्चों का बल्कि दुनिया भर में अन्य समुदायों के बच्चों का आकर्षण भी पिछले कुछ समय में काफी बढ़ा है। इसका एक कारण यही है कि विभिन्न शहरों में 25 दिसंबर के दिन सांता क्लॉज बने व्यक्ति विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर खड़े हर समुदाय के बच्चों को बड़े प्यार से उपहार बांटते देखे जा सकते हैं।

कौन है सांता क्लॉज : सांता के बारे में ढेरों कहानियां पढ़-सुनकर अधिकांश बच्चों के दिमाग में यह सवाल जरूर उमड़ता है कि उन्हें उपहार देने और इतना प्यार करने वाला यह सांता क्लॉज आखिर है कौन, यह कहां से आता है और बच्चों को उपहार क्यों देकर जाता है? बच्चों का दिल रखने के लिए कुछ माता-पिता उन्हें कह देते हैं कि वह एक देवदूत है, जो क्रिसमस की रात अपने 8 रेंडियर वाले स्लेज पर बैठकर स्वर्ग से आता है और बच्चों को उपहार बांटकर स्वर्ग वापस चला जाता है। जबकि कुछ बच्चों के पैरेंट्स यह कहकर उनकी जिज्ञासा शांत करते हैं कि सांता क्लॉज, बहुत दूर स्थित एक बर्फीले देश से आता है। वास्तव में सांता क्लॉज, चौथी शताब्दी में मायरा के निकट एक शहर (जो अब तुर्किए के नाम से जाना जाता है) में जन्मे संत निकोलस का ही रूप है।

संत निकोलस बने सांता क्लॉज : प्राचीन कथा के अनुसार, संत निकोलस के पिता एक बहुत बड़े व्यापारी थे, जिन्होंने निकोलस को अच्छे संस्कार देते हुए दूसरों के प्रति सदा दयाभाव रखने और जरूरतमंदों की सहायता करने को प्रेरित किया। निकोलस पर इन सब बातों का इतना असर हुआ कि वह हर समय जरूरतमंदों की सहायता करने को तत्पर रहते। बच्चों से तो उन्हें खास लगाव था।

प्रचलित हैं कई कहानियां : सांता क्लॉज के बारे में कई अन्य कथाएं भी प्रचलित हैं। कहा जाता है कि एक बार निकोलस को मायरा के एक ऐसे व्यक्ति के बारे में जानकारी मिली, जो बहुत धनवान था लेकिन कुछ समय पहले व्यापार में भारी घाटा हो जाने से वह कंगाल हो चुका था। उस व्यक्ति की चार बेटियां थीं लेकिन उनके विवाह के लिए उसके पास कुछ नहीं बचा था। यहां तक कि उसके परिवार के लिए तो खाने के भी लाले पड़ गए थे। जब उससे अपने परिवार की इतनी बुरी हालत नहीं देखी गई और लड़कियां विवाह योग्य हो गईं तो उसने फैसला किया कि वह इनमें से एक लड़की को बेच देगा और उससे मिले पैसे से अपने परिवार का पालन-पोषण करेगा तथा बाकी बेटियों का विवाह करेगा। अगले दिन अपनी एक बेटी को बेचने का विचार करके वह रात को सो गया लेकिन उसी रात संत निकोलस उसके घर पहुंचे और चुपके से खिड़की में से सोने के सिक्कों से भरा एक थैला घर में डालकर चले गए। सुबह जब उस व्यक्ति ने सोने के सिक्कों से भरा थैला पड़ा देखा तो वह बहुत आश्चर्यचकित हुआ। उसने ईश्वर का धन्यवाद करते हुए थैला अपने पास रख लिया और एक-एक कर धूमधाम से अपनी चारों बेटियों की शादी की। बाद में उसे पता चला कि यह थैला संत निकोलस ही उसके घर छोड़ गए थे। *

जुराब टांगने से जुड़ी कहानी

क्रिसमस के दिन कई बच्चे रात के समय अपने-अपने घरों के बाहर अपनी जुराबें टांग देते हैं। इसके पीछे मान्यता यह है कि सांता क्लॉज रात के समय आकर उनकी जुराबों में उनके मनपसंद उपहार भर जाएंगे। इस बारे में भी एक कथा प्रचलित है। कहा जाता है कि एक बार सांता क्लॉज ने देखा कि कुछ गरीब परिवारों के बच्चे आग पर सेंक कर अपनी जुराबें सुखा रहे हैं। जब बच्चे सो गए तो सांता क्लॉज ने उनकी जुराबों में सोने की मोहरें भर दीं और चुपचाप वहां से चले गए।

{ लघुकथाएं }

गरीब

रेलगाड़ी चल पड़ी थी। सभी यात्री कुछ ना कुछ करने लगे। कोई लेट गया, कोई मोबाइल देखने लगा तो कुछ आपसी गपशप में मशगूल हो गए। तभी दो युवक चना, गजक, रेवड़ी आदि बेचने के लिए आए। कुछ लोग उनसे मोल-भाव कर रहे थे, 'दो रुपए कम कर दो, पांच रुपए कम कर दो।' इस चक्कर में एक बूढ़ी महिला ने अपना सौ का नोट नीचे गिरा दिया। सामान बेचने वाले युवक रुपया उठाकर बूढ़ी महिला को देते हुए बोले, 'अम्मा, अपना पैसा संभाल कर रखो।' बूढ़ी महिला सहित बाकी लोग दोनों युवकों की ईमानदारी देखकर हतप्रभ थे। युवक अपना सामान बेचने के साथ रेलगाड़ी की सीट के नीचे अपनी पैनी नजर भी गड़ाए हुए थे। रेलगाड़ी जब एक स्टेशन पर रुकी तो दोनों युवकों ने सीट के नीचे पड़ा कचरा फटाफट एक थैले में भर लिया। 'ओह, कितने गरीब हैं दोनों। बेचारे कचरा जाकर बेचेंगे। इससे चार पैसों की और कमाई हो जाएगी।' एक यात्री ने दूसरे यात्री से कहा। तभी यात्रियों ने देखा, वे दोनों युवक रेलगाड़ी के डिब्बे से बाहर उतरे और सारा कचरा जाकर उन्होंने एक कूड़ेदान में डाल दिया। गाड़ी में बैठे खिड़की से देख रहे यात्रियों का चेहरा फक रह गया। वे सोच रहे थे, 'ये गरीब युवक तो बेहद समझदार निकले। नासमझ तो हम हैं, जो रेलगाड़ी के डिब्बे में गंदगी फैलाए हुए थे।' *

-हरीशचंद्र पांडे

गिफ्ट

आज क्रिसमस था। स्कूल में काफी चहल-पहल थी। तरह-तरह की प्रतियोगिताएं हो रही थीं। फैंसी ड्रेस कॉम्पिटिशन में छोटे-छोटे बच्चे सांता क्लॉज बनकर रेड कारपेट पर आते और अपनी झोली से टॉफियां निकालकर दर्शकदीर्घा में बैठे बच्चों की ओर उछाल देते। बच्चे टॉफियां कैच करके गप्प से मुंह में रख लेते। सभी बच्चों के चेहरे खुशी से खिले थे। लेकिन इन बच्चों के बीच बैठी नन्ही नीतू के चेहरे पर उदासी थी। स्कूल प्रिंसिपल की नजरों से वह बची नहीं।

कुछ देर बाद ही बच्चों के बीच में एक बड़ा सांता क्लॉज आया। वह सीधा नीतू के पास गया और बोला, 'हैलो नीतू, अपना गिफ्ट लो!' अपने सामने सांता क्लॉज को देखकर नीतू के चेहरे पर मुस्कान आ गई। लेकिन अगले ही पल नीतू के चेहरे की मुस्कान गायब हो गई। गिफ्ट लेने के लिए उसने बढ़ाए अपने हाथ पीछे कर लिए। यह देख सांता क्लॉज ने प्यार से नीतू के सिर पर हाथ रखकर कहा, 'नीतू बेटा, यह तुम्हारा ही गिफ्ट है।'

नीतू एकाएक रो पड़ी, बोली, 'नहीं.. नहीं.. मैं यह गिफ्ट नहीं ले सकती। घर पर मेरी मां बीमार हैं। मुझे गिफ्ट नहीं, मां के लिए दवाइयां चाहिए।' सांता क्लॉज बने प्रिंसिपल यह सुनकर मन ही मन बहुत दुखी हो गए। उन्होंने तुरंत जेब से अपना पर्स निकाला और नीतू को पांच-पांच सौ के चार नोट पकड़ा कर बोले, 'ये लो नीतू तुम्हारा नया गिफ्ट। अब जाकर मां के लिए दवाइयां खरीद लेना। हमारी प्रभु से प्रार्थना है, तुम्हारी मां जल्दी ठीक हो जाएं।' नीतू की आंखें खुशी से चमक उठीं। वह स्कूल गेट की ओर भागी ताकि सांता क्लॉज से मिले रुपयों से अपनी मां के लिए दवाएं खरीद सके। वहां बैठे लोग यह दृश्य देखते ही रह गए। *

-भूपसिंह 'भारती'

हरिभूमि रविवार भारती
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 24 दिसंबर 2023

साल 2023 बीतने वाला है। इस बीत रहे वर्ष में राष्ट्रीय स्तर पर बहुत कुछ ऐसा घटित हुआ जो अभूतपूर्व था। कई ऐतिहासिक उपलब्धियां भी हमने हासिल कीं। विभिन्न क्षेत्रों में हासिल की गई उपलब्धियों और सफलताओं पर एक विहंगम दृष्टि।

उपलब्धियों के लिहाज से कैसा रहा साल 2023

फ्लैश बैक / लोकमित्र गौतम

चंद दिनों में ही साल 2023 इतिहास का हिस्सा बन जाएगा और इसी के ओझल होते कदमों से उम्मीदों से भरे साल 2024 की शुरुआत होगी। जब एक पूरा साल गुजरता है तो हम मुड़कर गुजरे हुए साल को जरूर एक बार देखते हैं। ठहर कर सोचने और समझने की कोशिश करते हैं कि यह साल कितना महत्वपूर्ण था या कि इसे हम और कैसे अपने लिए बेहतर बना सकते थे?

रिवर क्रूज एमवी गंगा विलास

सियाचिन ग्लेशियर पर कैप्टर शिवा चौहान

वेद वन पार्क, नोएडा, उत्तर प्रदेश

वातानुकूलित डबल डेकर इलेक्ट्रिक बस, मुंबई

जनवरी: साल 2023 की शुरुआत में यानी जनवरी माह में सर्वोच्च न्यायालय की 5 जजों की एक संविधान पीठ ने भारत सरकार के विरुद्ध नोटबंदी के फैसले को चुनौती देने वाली एक दो नहीं पूरी 58 याचिकाओं को एक साथ खारिज कर दिया। जनवरी में कर्नाटक के देवनहल्ली शहर में केंद्रीय जासूसी प्रशिक्षण संस्थान ने कार्य करना शुरू किया। जनवरी 2023 में ही भारत के मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ ने 'इलेक्ट्रॉनिक सुप्रीम कोर्ट रिपोर्ट' परियोजना की घोषणा की, जिसका उद्देश्य आम वकीलों से लेकर कानून के छात्रों और आम जनता तक को सर्वोच्च न्यायालय के फैसले तक पहुंचने की सुविधा प्रदान करना है।

साल के पहले महीने की अन्य कई महत्वपूर्ण घटनाओं में कैप्टन शिवा चौहान, सियाचिन ग्लेशियर में ऑपरेशनल उद्देश्य से तैनात होने वाली पहली महिला सैन्य अधिकारी बनीं। जनवरी 2023 में पूरे प्रांत में डिजिटल बैंकिंग सुविधा मुहैय्या कराने वाला केरल देश का पहला राज्य बन गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी से बांग्लादेश होते हुए असम के डिब्रूगढ़ तक 3,200 किलोमीटर की दूरी तय करने वाले दुनिया के सबसे लंबे रिवर क्रूज एमवी गंगा विलास को वाराणसी में हरी झंडी दिखाई। इसी जनवरी माह में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने सीमा सड़क संगठन द्वारा अरुणाचल प्रदेश की सिओम नदी पर बनाए गए पुल का उद्घाटन किया।

पैंगोंग फ्रोजेन लेक, लद्दाख के मैराथन विनर

फरवरी: इस साल फरवरी में पहली बार 20 फरवरी 2023 को लद्दाख के पैंगोंग त्सो झील में फ्रोजन लेक मैराथन आयोजित की गई। इसे गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड में सबसे ऊंची फ्रोजन लेक का दर्जा मिला। इसी महीने मुंबई में पहली बार एक वातानुकूलित डबल डेकर इलेक्ट्रिक बस की शुरुआत हुई और इसी महीने पहली बार केरल के त्रिशूर स्थित इरिंजादापल्ली श्री कृष्णा मंदिर में रमन नामक एक रोबोटिक हाथी को पेश किया गया, यह 11 फीट ऊंचा और 800 किग्रा. का है। इस साल फरवरी में ही केरल देश का पहला ऐसा राज्य बना, जहां सीवेज की सफाई के लिए रोबोटिक स्क्वेंजर 'बैंडीक्यूट' को लांच किया।

मार्च : मार्च 2023 में सुरेखा यादव एशिया महाद्वीप की पहली महिला लोकोमोटिव पायलट बनीं। सुरेखा यादव ने 13 मार्च को वंदे भारत एक्सप्रेस को सोलापुर से सीएसएमटी तक पटरी पर दौड़ाया। इसके साथ ही वह वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को चलाने वाली पहली महिला लोको पायलट भी बन गईं। मार्च के आखिर में राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान करनाल ने घोषणा की कि उसने पहली बार गाय की देसी नस्ल गीर का क्लोन बछड़ा पैदा किया।

अप्रैल: चुनाव आयोग ने कर्नाटक विधानसभा चुनाव में पहली बार 'वोट फ्रॉम होम' की शुरुआत की, इसके तहत ऐसे व्यक्ति जो वोट डालने मतदान केंद्र तक नहीं जा सकते, उनके घर में वोट डालने की व्यवस्था की जाएगी।

अंडरग्राउंड ट्रांसफार्मर सेंटर, बेंग्लुरु

मई: मई 2023 में भारत और बांग्लादेश के बीच व्यापार को बढ़ावा देने के लिए मेघालय के जयंतियां हिल्स में दावकी भूमि बंदरगाह का उद्घाटन किया गया। इसी महीने केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने लर्निंग मैनेजमेंट इंफॉर्मेशन सिस्टम 'सक्षम' को लांच किया, जिसका उद्देश्य भारत में स्वास्थ्य पेशेवरों को उच्चस्तरीय चिकित्सा प्रशिक्षण प्रदान करना है।

जून: जून माह में दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में उत्तर भारत का पहला 'स्किन बैंक' खोला गया, जहां मृत व्यक्तियों की त्वचा दान की जाती है। जून 2023 में भारत 1.45 लाख किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्ग के साथ अमेरिका के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा राजमार्ग नेटवर्क वाला देश बन गया।

जुलाई: केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने जुलाई माह में घोषणा की कि 1 जनवरी 2025 के बाद से सभी ट्रकों के केबिन अनिवार्य रूप से वातानुकूलित प्रणाली वाले होंगे। उत्तर प्रदेश के नोएडा में देश का पहला 'वेद वन पार्क' नामक वैदिक थीम वाला पार्क खोला गया, जहां 50,000 से ज्यादा औषधीय पौधे लगाए गए हैं। पार्क को वैदिककाल के साथ ऋषि मुनियों के नाम पर बांटा गया है।

अगस्त: 23 अगस्त 2023 को भारतीय समयानुसार शाम 6 बजकर 4 मिनट पर चंद्रयान-3 की चांद की सतह पर सफल लैंडिंग हो गई। 25 अगस्त 2023 को कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने दिल्ली में न्याय तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए टेली-लॉ और न्यायबंधु एप को एकीकृत करने वाला टेली-लॉ-2.0 लांच किया।

सितंबर: अमेजन इंडिया ने श्रीनगर की डल झील पर देश का पहला तैरता हुआ 'आई हैव स्पेस' स्टोर लांच किया। सितंबर 2023 में सांची भारत का पहला सोलर सिटी बन गया। सितंबर में ही बेंग्लुरु में देश का पहला अंडरग्राउंड ट्रांसफार्मर सेंटर स्थापित किया गया। त्रिपुरा सरकार ने ग्रामीण इलाकों में महिलाओं के लिए अलग से पिंक शौचालय निर्मित करने की घोषणा की।

अक्टूबर: 2 अक्टूबर 2023 को बिहार सरकार द्वारा जाति आधारित सर्वेक्षण को सार्वजनिक किया गया। यूनेस्को विश्व धरोहर में शामिल तमिलनाडु के ममल्लापुरम में स्थित तट मंदिर भारत का पहला हरित ऊर्जा पुरातत्व स्थल बन गया।

नवंबर: नवंबर माह में विराट कोहली ने एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक बनाने के सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। इसी माह यूनेस्को द्वारा केरल के कोझीकोड को साहित्य का शहर और मध्य प्रदेश के ग्वालियर को संगीत का शहर घोषित किया।

दिसंबर: दिसंबर 2023 में अरुणाचल प्रदेश में दुनिया की सबसे ऊंची माउंटेन बाइक रेस शुरू की गई। दिसंबर में फोर्ब्स बिजनेस पत्रिका ने 2023 में दुनिया की 100 सबसे ताकतवर महिलाओं की लिस्ट जारी की, जिसमें चार भारतीय महिलाएं भी शामिल हैं। इसी महीने यूनेस्को ने गुजरात के गरबा नृत्य को मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की मान्यता दी। वर्ष 2023 के इसी आखिरी महीने में युवा चेस प्लेयर वैशाली रमेश बाबू भारत की 84वीं ग्रैंडमास्टर बन गईं। ❋

खेल-खिलाड़ी 2023 / साशा

इस साल खूब चमके ये भारतीय खिलाड़ी

बीत रहा साल भारतीय खिलाड़ियों के लिए अभूतपूर्व सफलताओं और उपलब्धियों वाला रहा। इस साल कई खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने रिकॉर्ड्स बनाए। कुछ प्रमुख खेलों और खिलाड़ियों पर एक नजर।

इस साल आयोजित हुए आईसीसी एकदिवसीय क्रिकेट विश्व कप के फाइनल में भारतीय क्रिकेट टीम के हार जाने से भले एक अरब चालीस करोड़ भारतीयों का सपना टूट गया हो। लेकिन इसके अलावा 2023 ऐसा साल रहा, जब अलग-अलग प्रतियोगिताओं और खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने पूरी दुनिया के खेल मैदानों में अपनी प्रतिभा की चमक बिखेरी।

विराट कोहली

एशियन-पैरा एशियन गेम्स: एशियाई खेलों के इतिहास में यह पहला साल रहा, जब भारत के खिलाड़ियों ने 100 पदकों के आंकड़े को पार किया। इस बार एशियाई खेलों में हिस्सा लेने जब भारतीय खिलाड़ी जा रहे थे, तो हर तरफ यही लक्ष्य गूंज रहा था, 'अबकी बार 100 के पार'। भारतीय खिलाड़ियों ने ना सिर्फ इस लक्ष्य को पार किया, बल्कि उन्होंने एशियाई खेलों के इतिहास में पहली बार 107 मेडल जीते, जिसमें 28 गोल्ड, 38 सिल्वर और 40 ब्रांज मेडल रहे। चीन के होंगझाऊ शहर में भारतीय खिलाड़ियों ने सबका ध्यान अपनी तरफ खींचा। एक तरफ जहां इस साल भारतीय खिलाड़ियों ने एशियाई खेलों में 107 पदक जीतकर ऐतिहासिक रिकॉर्ड कायम किया, वहीं इन्हीं के नक्शे कदम पर चलते हुए भारत के पैरा खिलाड़ियों ने भी पैरा एशियन गेम्स में 111 पदक जीतकर रिकॉर्ड बनाया।

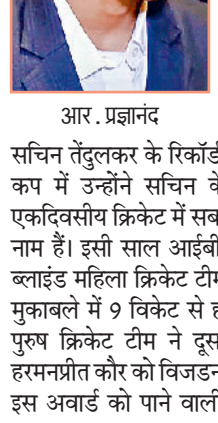

नीरज चोपड़ा

भाला फेंक : जहां तक भाला फेंक खेल की बात है तो इसमें नीरज चोपड़ा ने गोल्डेन ब्वॉय के रूप में अपनी पहचान को कायम रखा। इस साल नीरज चोपड़ा ने भाला फेंक प्रतियोगिता में पहली बार भारत को वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल दिलाया। अब से पहले किसी भी भारतीय खिलाड़ी ने यह बड़ी उपलब्धि नहीं हासिल की थी। भाला फेंक प्रतिस्पर्धा में दुनिया के सबसे चमकदार सितारे नीरज चोपड़ा पूरे साल अपनी कामयाबी और प्रतिभा की रोशनी खेल आसमान में भरपूर तरीके से बिखेरते रहे।

एच एस प्रनॉय

रिले रेस : वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 4x400 मीटर की रिले रेस में भारतीय टीम पांचवां स्थान ही पा सकी, लेकिन 2 मिनट 59.05 सेकेंड का समय निकालकर भारतीय टीम ने एशियन रिकॉर्ड स्थापित किया।

आर. प्रज्ञानंद

बैडमिंटन: इसी साल बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन चैंपियनशिप में एच एस प्रनॉय ने ब्रांज मेडल हासिल किया, जो कि अब से पहले किसी भी भारतीय खिलाड़ी ने नहीं हासिल किया था।

शतरंज: हालांकि इस साल 18 साल के आर. प्रज्ञानंद, शतरंज विश्व कप के फाइनल में हार गए, लेकिन जिस धमाकेदार अंदाज में वह फाइनल तक पहुंचे, उससे सारे टूर्नामेंट की लाइमलाइट उन्हें मिली। उन्हें दुनिया के सबसे होनहार शतरंज खिलाड़ी के रूप में नई पहचान मिली।

हरमनप्रीत कौर

क्रिकेट: इस साल भारत में आयोजित हुए क्रिकेट विश्व कप में विराट ने पहले, एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड की बराबरी की और फिर इसी विश्व कप में उन्होंने सचिन के रिकॉर्ड को पार भी किया। अब एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा 50 शतक विराट कोहली के नाम हैं। इसी साल आईबीएसए विश्व खेल 2023 में भारतीय ब्लाइंड महिला क्रिकेट टीम ने ऑस्ट्रेलिया की टीम को फाइनल मुकाबले में 9 विकेट से हराकर स्वर्ण पदक जीता, तो ब्लाइंड पुरुष क्रिकेट टीम ने दूसरा स्थान हासिल किया। इस साल हरमनप्रीत कौर को विजडन क्रिकेटर्स ऑफ द ईयर चुना गया, वह इस अवार्ड को पाने वाली पहली भारतीय महिला हैं। जबकि इसी साल विजडन टी-20 क्रिकेटर्स ऑफ द ईयर सूर्यकुमार यादव को चुना गया, जबकि साल 2022 के लिए इसी साल रेणुका सिंह को आईसीसी इमर्जिंग वुमेन क्रिकेटर ऑफ द ईयर चुना गया है।

लिएंडर पेस

फुटबॉल: इस साल मनीषा कल्याण, एआईएफएफ महिला फुटबॉलर ऑफ द ईयर चुनी गईं।

व्यक्तिगत उपलब्धियां: इस साल बहुत से भारतीय खिलाड़ियों को चमकदार व्यक्तिगत उपलब्धियां हासिल हुईं, जैसे- आईसीसी के हॉल ऑफ फेम में पहली भारतीय महिला क्रिकेटर डायना इदुलजी चुनी गई हैं, तो वर्ष 2023 के लिए पुरुष विश्व एथलीट ऑफ द ईयर के लिए नामांकित होने वाले नीरज चोपड़ा भारत के पहले खिलाड़ी बने हैं। अंतरराष्ट्रीय टेनिस हॉल ऑफ फेम के लिए भारत के मशहूर टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस नामांकित होने वाले पहले एशियाई खिलाड़ी हैं।

इस तरह देखें तो भारत भले अभी खेल महाशक्ति ना बना हो, लेकिन इतिहास में साल 2023 को उस टर्निंग प्वाइंट वाले साल के रूप में चिन्हित किया जाएगा, जहां से भारत ने खेलों की दुनिया की महाशक्ति बनने का सफर शुरू किया है। ❋

जलीय जंतु / देवेश प्रकाश

...ताकि विलुप्त ना हो जाए गंगा डॉल्फिन

हालांकि पिछले एक दशक से भी ज्यादा समय से लुप्त होती विशेष जीव प्रजातियों और बिगड़ते पारिस्थितिकी तंत्र पर चिंता जताई जा रही है। लेकिन साल 2023 में इस दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए, उनमें एक गांगेय या गंगा डॉल्फिन को बचाने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 14 अक्टूबर 2023 को इसे राज्य जलीय जंतु घोषित किया जाना भी शामिल है। गौरतलब है कि इससे पहले 18 मई 2009 को भारत सरकार ने गंगा डॉल्फिन को भारत का राष्ट्रीय जलीय जीव घोषित किया था।

बहुत विशिष्ट है डॉल्फिन : डॉल्फिन मछली नहीं बल्कि यह एक स्तनधारी जंतु है, मादा डॉल्फिन अपने बच्चे को दूसरी मादाओं की तरह दूध पिलाती है। मादा डॉल्फिन की नर डॉल्फिन से लंबाई थोड़ी अधिक होती है। डॉल्फिन की औसत उम्र करीब 28 साल तक रिकॉर्ड की गई है। गांगेय डॉल्फिन एक ऐसी लुप्तप्राय जीव प्रजाति है, जो अब भारत में सिर्फ गंगा और ब्रह्मपुत्र नदियों में बची है। गंगा नदी में पाई जाने वाली गांगेय डॉल्फिन एक नेत्रहीन जलीय जंतु है, जिसमें सूंघने की अपार शक्ति होती है। जन्मजात नेत्रहीन होने के कारण डॉल्फिन 'इकोलोकेशन' यानी प्रतिध्वनि निर्धारण की बदौलत पहचानकर अपने भोजन हेतु शिकार की तलाश करती है। इसे बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश में 'सोंस' भी कहते हैं।

गंगा नदी की शुद्धता का संकेतक : गंगा नदी में डॉल्फिन की मौजूदगी, उसके जल के शुद्ध और साफ होने की निशानी है। गंगा के पानी में अगर डॉल्फिन नहीं बच रही, तो इसका मतलब गंगा का पानी जलीय जीवों के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। इसलिए इसको गंगा नदी के स्वास्थ्य का महत्वपूर्ण संकेतक माना जाता है।

कई नदियो में था इनका निवास : एक जमाने में गांगेय डॉल्फिन गंगा, यमुना, चंबल, घाघरा, राप्ती और गेरुआ जैसी नदियों में बहुतायत में पाई जाती थी। गंगा और उसकी सहायक नदियों की तरह ही यह ब्रह्मपुत्र-मेघना और संगु-कर्णफुली नदियों में भी पाई जाती थी। यही नहीं यह भारत, बांग्लादेश और नेपाल की तरह भारत से होकर पाकिस्तान में बहने वाली सिंधु नदी में भी बड़ी संख्या में मौजूद थी। लेकिन इसका अस्तित्व अब गंगा नदी के कुछ इलाकों में ही बचा है। एक सरकारी आंकड़े के मुताबिक वर्तमान में इसकी आबादी करीब 2,000 रह गई है।

आबादी घटने के कारण : एक समय था जब गंगा नदी में लाखों की तादाद में डॉल्फिन हुआ करती थीं, लेकिन जैसे-जैसे गंगा में जल प्रदूषण बढ़ा, बांध बनें और तस्करों ने अपने कारोबारी फायदे के लिए इनका शिकार करना शुरू किया, तो तेजी से इनकी संख्या घटने लगी। साल 2009 में गंगा डॉल्फिन के खत्म होने से चिंतित होकर भारत सरकार ने इसे राष्ट्रीय जल जीव घोषित किया और इसके बाद से ही इसकी संख्या में थोड़ी वृद्धि हुई है। इस समय गंगा में उत्तर प्रदेश के नरोरा और बिहार के पटना साहिब, भागलपुर के सुल्तानगंज इलाकों में ही गांगेय डाल्फिन बची हुई है।

बचाव के उपाय: वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) और उत्तर प्रदेश वन विभाग डॉल्फिन की आबादी पर नजर रख रहे हैं। विशेषकर उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले के गढ़ गंगा क्षेत्र में डॉल्फिन के जीवन और प्रजनन पर नजरें रखी जा रही हैं। गंगा डॉल्फिन के बचाव के लिए इसी वर्ष उत्तर प्रदेश में 'मेरी गंगा-मेरी डॉल्फिन 2023' अभियान की शुरुआत की गई। इनकी सुरक्षा के लिए मुजफ्फरपुर बैराज से लेकर नरोरा बैराज तक फैली गंगा नदी के किनारे डॉल्फिन की सुरक्षा और संरक्षण के विशेष उपाय भी किए गए हैं। हालांकि इससे पहले भी भारत सरकार ने 1972 के भारतीय वन्यजीव संरक्षण कानून के दायरे में गंगा डॉल्फिन को शामिल किया था। जब गंगा की सफाई के लिए मिशन क्लीन गंगा बनाया गया तो भी इसमें डॉल्फिनों को ध्यान रखा गया और इनकी वृद्धि के लिए योजना बनाई गई। ❋

शाहरुख खान को यों ही किंग खान नहीं कहा जाता, बढ़ती उम्र में भी उनका जलवा बरकरार है। इन दिनों वह अपनी नई फिल्म 'डंकी' को लेकर खूब चर्चा में हैं। अपनी फैमिली और फैंस को अपनी ताकत मानने वाले शाहरुख की बातें, उन्हीं की जुबानी।

मैं मुंबई बहुत बड़े सपने लेकर नहीं आया था : शाहरुख खान

अपनी जुबानी / आरती सक्सेना

शाहरुख खान का करियर ट्रैक बहुत ही शानदार रहा है। लेकिन ऐसा भी नहीं है कि उन्होंने अपनी जिंदगी और करियर में उतार- चढ़ाव नहीं देखे। आर्यन के गिरफ्तारी ने उन्हें तोड़कर रख दिया था। उनकी फिल्मों को भी बीच-बीच में असफलता मिली। लेकिन शाहरुख ने इन विपरीत स्थितियों का सामना किया और जल्द ही उभर कर कामयाबी की डगर पर आ गए। करियर की नई ऊंचाइयां छुईं। इस साल 2023 में उनकी सबसे पहले 'पठान' रिलीज हुई। इसके बाद 'टाइगर-3' और 'जवान' आई। 'पठान' और 'जवान' दोनों फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ कमाई की। किंग खान के नाम का डंका बजा। अब शाहरुख की इस साल की आखिरी फिल्म 'डंकी' भी रिलीज हो चुकी है। इस फिल्म का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार था। फिल्म की ओपनिंग बहुत शानदार रही है। शाहरुख को विश्वास है, यह फिल्म भी बड़ी सफलता हासिल करेगी। उधर शाहरुख की बेटी सुहाना खान की भी जोया अख्तर की फिल्म 'द आर्चीज' से फिल्म करियर की शुरुआत हो चुकी है। अपनी बेटी सुहाना का भविष्य वह कैसा देखते हैं? बीता साल 2023 उनके लिए कैसा रहा? आने वाले नए साल 2024 को लेकर उनका क्या कहना है? करियर और पर्सनल लाइफ से जुड़ी बहुत-सी बातें शाहरुख खान ने एक मुलाकात में खुलकर कीं। पेश है ये बातें, उन्हीं की जुबानी-

फिल्म 'डंकी' में तापसी पन्नू, विक्की कौशल के साथ शाहरुख

मेरा परिवार ही है मेरी ताकत : शाहरुख खान

मेरी हालिया रिलीज फिल्म 'डंकी': फिल्म 'पठान', 'टाइगर-3' और 'जवान' के बाद इस साल की मेरी चौथी फिल्म 'डंकी' रिलीज हो चुकी है। इस फिल्म के डायरेक्टर राजू हिरानी हैं, वह एक ब्रिलिएंट डायरेक्टर हैं। मैं उनके साथ हमेशा से ही काम करना चाहता था। मेरी यह इच्छा अब फिल्म 'डंकी' के साथ पूरी हुई। इस फिल्म में मेरे साथ तापसी पन्नू, बोमन ईरानी और विक्की कौशल हैं। इस फिल्म में देश के प्रति प्रेम को दर्शाया गया है। फिल्म की शूटिंग सऊदी अरब के साथ कई और कंट्रीज में हुई है। मुझे पर्सनली इस फिल्म में काम करके बहुत खुशी हुई, क्योंकि इस फिल्म में एक ऐसा संदेश है, जो हम भारतवासियों के हित में है। पूरी फिल्म मनोरंजन से भरपूर है। फिल्म को शुरुआती रेस्पांस बहुत जोरदार मिला है। मुझे यकीन है, फिल्म को बड़ी सफलता मिलेगी।

ईश्वर, कर्म और किस्मत पर भरोसा : मैं मुंबई बहुत बड़े सपने लेकर नहीं आया था। मेरे सपने बहुत छोटे थे। मैंने कभी नहीं सोचा था कि इंडस्ट्री में मुझे इतना सारा प्यार, नाम, शोहरत और पैसा मिलेगा। मेरा मानना है, अगर आपके कर्म अच्छे हैं तो हजारों मुश्किलों के बाद भी ईश्वर आपके लिए रास्ता निकाल देता है। अपनी मेहनत और किस्मत के साथ मुझे ईश्वर पर भरोसा है। मेरा मानना है, अगर हम ईश्वर और अपने आप पर भरोसा करते हैं तो रास्ते अपने आप बनते जाते हैं। हम यह भी जान लें कि ईश्वर का साथ ना हो तो किस्मत साथ नहीं देती है।

मेरी ताकत, मेरा परिवार और मेरे फैंस : एक एक्टर के लिए बहुत जरूरी है कि वह मानसिक रूप से खुश और संतुष्ट रहे। मेरे साथ ऐसा तभी होता है, जब मैं अपने पूरे परिवार को खुश देखता हूं। अगर मेरे परिवार का कोई भी मेंबर दुखी-परेशान है तो मैं अंदर से टूट जाता हूं, क्योंकि मेरा परिवार ही मेरी ताकत है, मेरी कमजोरी है। अपने परिवर के बिना मैं अधूरा हूं। मेरे प्रशंसक भी मेरी सबसे बड़ी ताकत हैं। आज उनके प्यार और विश्वास की वजह से ही मैं बड़ी सफलताएं पा सका हूं। मैं अपने प्रशंसकों के लिए जी-तोड़ मेहनत करने को तैयार रहता हूं, क्योंकि वे हैं तो ही मैं हूं। उनके प्यार के बिना मेरा कोई वजूद ही नहीं है। अपने मुश्किल वक्त में अपने प्रशंसकों का प्यार ही मुझे जिंदा रख पाया है। आज मैं जो कुछ भी हूं, सिर्फ और सिर्फ अपने फैंस की वजह से हूं।

मेरे दिल के करीब है, मेरी बेटी सुहाना : मेरी बेटी सुहाना मेरे दिल के बहुत करीब है। मैंने जब उसको फिल्म 'द आर्चीज' में एक्टिंग करते देखा तो बहुत खुशी हुई। मैं सिर्फ और सिर्फ उसी को देख रहा था। मुझे वह इतनी प्यारी लग रही थी कि मेरी नजर उस पर से हट ही नहीं रही थी। मुझे लगता है, सुहाना नेचुरल एक्ट्रेस है। वह आगे चल कर और अच्छी एक्टिंग कर सकती है। 'द आर्चीज' फिल्म में सुहाना बहुत ही खूबसूरत लगी है। मेरे छोटे बेटे अबराम ने भी हाल ही में अपने स्कूल फंक्शन में भाग लिया था। उसने भी बहुत अच्छा परफॉर्म किया, देखकर मेरी आंखों में आंसू आ गए।

बीता साल और आने वाला नया साल : 2023 मेरे लिए बहुत खास रहा, क्योंकि इस साल मेरी चार फिल्में 'टाइगर-3', 'पठान' और 'जवान' सिर्फ रिलीज ही नहीं हुईं बल्कि सुपरहिट रहीं। साल के आखिर में मेरी एक और फिल्म 'डंकी' भी रिलीज हो गई है। इसे दर्शकों का प्यार मिल रहा है। 2023 मेरे लिए यादगार साल साबित रहा। जहां तक आने वाले नए साल का सवाल है तो 2024 में मैं अपने अधूरे काम पूरे करूंगा। अपने सारे प्रशंसकों को नए साल की ढेर सारी शुभकामनाएं, इस संदेश के साथ देना चाहूंगा कि कभी भी वे जीवन में हार ना मानें, क्योंकि वक्त पलटते समय नहीं लगता, अगर बुरा वक्त आता है तो अच्छा वक्त भी आता है। ❋